संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 96
पृष्ठ 8
मंगलवार
23 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सुबह खाली पेट अखरोट खाने से.... विचार- वैश्विक अर्थव्यवस्था व्यापार तथा... खेल- वेस्टइंडीज पर न्यूजीलैंड की जीत...

योगी सरकार ने पेश किया 24,496.98 करोड़ का अनुपूरक बजट

विकास की रफ्तार बनाए रखने और प्राथमिक क्षेत्रों को मजबूती देने पर सरकार का फोकस

लखनऊ, संवाददाता। योगी सरकार ने सोमवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान वित्तीय वर्ष 2025/26 के लिए 24,496.98 करोड़ रूपये का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बजट पेश करते हुए कहा कि यह अनुपूरक बजट प्रदेश में विकास की निरंतरता बनाए रखने, आवश्यक क्षेत्रों में अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने, बदलती जरूरतों के अनुरूप योजनाओं को गति देने के उद्देश्य से लाया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025द26 के लिए प्रदेश का मूल बजट 808,736.06 करोड़ का था, जबकि प्रस्तुत अनुपूरक बजट मूल बजट के अनुपात में 3.03 प्रतिशत है। अनुपूरक बजट को मिलाकर वित्तीय वर्ष 2025–26 का कुल बजट अब 833,233.04 करोड़ का हो गया है। यह बजट विकासात्मक प्राथमिकताओं को और अधिक सुदृढ़ करने पर केंद्रित है। अनुपूरक बजट में राजस्व व्यय के रूप में 18,369.30 करोड़, पूंजीगत व्यय के रूप में 6,127.68 करोड़ का प्रावधान किया गया है। सरकार का उद्देश्य राजस्व आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ–साथ पूंजीगत निवेश को बढ़ाकर आधारभूत ढांचे को मजबूत करना है।वित्त मंत्री ने बताया कि अनुपूरक बजट में प्रदेश की आर्थिक प्रगति और जनकल्याण से जुड़े प्रमुख क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। औद्योगिक विकास के लिए 4,874 करोड़, पावर सेक्टर के लिए 4,521 करोड़, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के लिए 3,500 करोड़, नगर विकास के लिए 1,758.56 करोड़, तकनीकी शिक्षा के लिए 639.96 करोड़ की धनराशि प्रस्तावित की गई है।अनुपूरक बजट में सामाजिक और भविष्य उन्मुख क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इसके तहत, महिला एवं बाल विकास के लिए 535 करोड़, यूपीनेडा सौर एवं नवीकरणीय ऊर्जा के लिए 500 करोड़, मेडिकल एजुकेशन के लिए 423.80 करोड़, गन्ना एवं चीनी मिल क्षेत्र के लिए 400 करोड़ की बजटीय व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने एफआरबीएम अधिनियम की सीमा का हमेशा पालन किया है और किसी भी स्तर पर वित्तीय अनुशासन से समझौता नहीं किया गया। भारत सरकार के पत्रक के अनुसार उत्तर प्रदेश की जीडीपी 31.14 लाख करोड़ आंकी गई है, जो पहले के अनुमानों से अधिक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में उभर रहा है, जो राज्य की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। जब किसी वित्तीय वर्ष में स्वीकृत धनराशि व्यय की वास्तविक आवश्यकताओं के लिए अपर्याप्त हो जाती है, तब अनुपूरक अनुदान की मांग विधानमंडल के समक्ष प्रस्तुत की जाती है। कई बार नई मदों पर व्यय की आवश्यकता होती है या योजनाओं मेमहत्वपूर्ण परिवर्तन के कारण विधानमंडल की स्वीकृति अनिवार्य हो जाती है।

दिल्ली में पीएम मोदी और अमित शाह से मिले नीतीश कुमार

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के नेता नीतीश कुमार ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इन बैठकों का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि एक महीने पहले रिकॉर्ड दसवीं बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद यह दिल्ली की उनकी पहली यात्रा थी। कुमार के साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह भी थे। हालांकि कुमार ने इन मुलाकातों को शिष्टाचार भेंट बताया, लेकिन जेडीयू के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि बिहार के विकास के रोडमैप और चुनावी वादों को पूरा करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी। बैठक में राज्यसभा चुनाव, जिसमें बिहार की सभी पांच सीटें एनडीए को मिलने की संभावना है, विधान परिषद चुनाव और मंत्रिमंडल विस्तार जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होने की संभावना है। जेडी–यू के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि शिष्टाचार मुलाकातों में भी राज्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होती है।

1 करोड़ बोतलों की तस्करी, हवाला और सीमा पार कनेक्शन का भंडाफोड़

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश पुलिस की कोडीन कफ सिरप तस्करी मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। रिपोर्ट में सामने आए निष्कर्षों से पता चलता है कि सीमा पार ड्रग्स की खेपों की हेराफेरी, हवाला लेनदेन और आपराधिक नेटवर्क से जुड़े एक गिरोह का इसमें हाथ है। एसआईटी की रिपोर्ट के अनुसार, इस रैकेट के कथित सरगना विभोर राणा को 2016 में लाइसेंस दिया गया था।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कफ सिरप के निर्माण और वितरण में शामिल कंपनियों को अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पिछली समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल में लाइसेंस जारी किए गए थे। एसआईटी ने बताया कि नेपाल सीमा के पास स्थित मदरसों के खिलाफ की गई कार्रवाई से तस्करी पर सीधा असर पड़ा, जिसके चलते विभोर और उसके साथियों को सीमा पार तस्करी अस्थायी रूप से रोकनी पड़ी। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि अधिकारियों द्वारा गहन जांच के बाद, विभोर ने दवा कंपनी एबॉट से संपर्क कर लगभग एक करोड़ कफ सिरप की बोतलें वापस लेने का अनुरोध किया था। जांचकर्ताओं ने पाया है कि विभोर के सहयोगियों सौरभ और पप्पन से जुड़ी बड़ी खेपें पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जब्त की गई हैं। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि विभोर के स्टॉक का एक हिस्सा कंपनी द्वारा जानबूझकर शुभम जायसवाल को तस्करी के उद्देश्य से भेजा गया था। बाद में शुभम जायसवाल के सहयोगी मनोज यादव के वाराणसी स्थित गोदाम से खांसी की दवा की एक बड़ी खेप बरामद की गई। एसआईटी की रिपोर्ट में इस गिरोह में हवाला नेटवर्क की भूमिका पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें कहा गया है कि खेपों का हस्तांतरण और वित्तीय लेनदेन दोनों अवैध हवाला चौनलों के माध्यम से किए गए थे।

वैश्विक हिंदू समाज को एकजुटता के साथ खड़ा होना होगा: मोहन भागवत

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता में आयोजित बौद्धिक संगोष्ठी में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बड़ा ही प्रेरक संबोधन दिया। हम आपको बता दें कि चार घंटे से अधिक चले विचार और प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर बढ़ते दबाव और उनके उत्पीड़न के मुद्दे पर अपने विचार रखे साथ ही केंद्र सरकार से कहा कि वह इस विषय का संज्ञान ले। उन्होंने पश्चिम बंगाल में हिंदू समाज की एकजुटता को निकट भविष्य के बदलाव की कुंजी भी बताया। हजार से अधिक शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों की मौजूदगी में भागवत ने साफ कहा कि बांग्लादेश में हालात कठिन हैं। वहां के हिंदुओं को संगठित रहना होगा और वैश्विक हिंदू समाज को उनके साथ खड़ा होना होगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर भारत सरकार को कुछ करना होगा। भागवत ने कहा, "हो सकता है कि वे पहले से ही कुछ कर रहे हों, लेकिन उनका खुलासा नहीं किया जा सकता। मोहन भागवत ने अपने संबोधन में यह भी जोड़ा कि भारत हिंदुओं का देश है। साथ ही उन्होंने पश्चिम बंगाल पर विशेष जोर देते हुए कहा कि जैसे ही हिंदू समाज संगठित होगा, राज्य में सामाजिक बदलाव तेजी से दिखाई देगा। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल लंबे समय से राजनीतिक और वैचारिक संघर्ष का मैदान रहा है। ऐसे में एकजुटता का संदेश सत्ता और समाज दोनों के समीकरणों को चुनौती देता है। कार्यक्रम में यह भी स्पष्ट किया गया कि आरएसएस को लेकर फैलाई गयीं भ्रांतियां वास्तविकता से दूर हैं। भागवत ने संगठन की सौ साल की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि आरएसएस को समझने के लिए उसके काम को देखना होगा, न कि सुनी सुनाई बातों पर भरोसा करना होगा। उन्होंने दो टूक कहा कि आरएसएस किसी राजनीतिक दल का प्रतिनिधि नहीं है। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक सेना में सेवा करें या राजनीति में जाएं, इससे संगठन की स्वतंत्र पहचान पर प्रश्न नहीं उठता। देखा जाये तो मोहन भागवत का कोलकाता से दिया गया हिंदू एकता का संदेश आज की सबसे बड़ी जरूरत है। लेकिन वहीं दूसरी ओर इसे धार्मिक रंग देते हुए मौलाना साजिद रशीदी हिंदुस्तान में मुस्लिमों की एकजुटता की बात कर रहे हैं और मामले को अलग ही दिशा दे रहे हैं। यही मोड़ सबसे संवेदनशील है। यदि हर आह्वान का जवाब केवल प्रतिआह्वान से दिया गया, तो समाधान की जगह टकराव बढ़ेगा। एकजुटता का अर्थ दीवारें खड़ी करना नहीं, बल्कि अन्याय के सामने मजबूती से खड़ा होना है।

उधमपुर में संदिग्ध आतंकवादी देखे गए, बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू

उधमपुर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के उधमपुर जिले में माजलता के जंगल वाले इलाके में संदिग्ध आतंकवादियों को देखे जाने के बाद सुरक्षा बलों ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार पुलिस और अर्धसैनिक बलों की एक संयुक्त टीम माजलता के चोर मोटू गांव और आसपास के जंगल वाले इलाकों में तलाशी ले रही है। यह अभियान विशेष खुफिया जानकारी मिलने के बाद शुरू किया गया। अधिकारियों के अनुसार, दो अज्ञात आतंकवादी कथित तौर पर रविवार शाम करीब 6.30 बजे चोर मोटू गांव में एक स्थानीय निवासी मंगतू राम के घर गए और खाना खाने के बाद जंगल की ओर भाग गए। इस बीच, जम्मू – कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों ने किसी भी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा से लेकर नियंत्रण रेखा के पास पहाड़ी इलाकों तक कई सेक्टरों में संयुक्त अभियान तेज कर दिए हैं। यह तलाशी अभियान संभावित घुसपैठ की कोशिश करने वालों को संकेत देने वाली एक कवायद का हिस्सा है।

नेशनल हेराल्ड मामला: ईडी की अपील पर हाई कोर्ट ने सोनिया-राहुल को भेजा नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा नेशनल हेराल्ड मामले में अन्य आरोपियों को नोटिस जारी कर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस याचिका के जवाब में जवाब मांगा है, जिसमें निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें ईडी द्वारा उनके खिलाफ दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया गया था। केंद्रीय जांच एजेंसी की ओर से पेश होते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ईडी ने मामले की जांच पूरी कर ली है, सबूत जुटा लिए हैं और मामले से संबंधित कई तलाशी अभियान भी चलाए हैं। उन्होंने कहा कि निचली अदालत ने ईडी के आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इनकार करके गलती की है। अदालत इस मामले की आगे की सुनवाई 12 मार्च, 2026 को करेगी। न्यायमूर्ति रविंदर दुदेजा ने मामले की सुनवाई की। ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय के समक्ष तथ्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंहवी और आर.एस. चीमा ने कार्यवाही के दौरान गांधी परिवार का प्रतिनिधित्व किया। न्यायालय को संबोधित करते हुए सॉलिसिटर जनरल ने तर्क दिया कि निचली अदालत ने इस तथ्य को समझने में चूक की कि किसी सक्षम न्यायालय द्वारा निजी शिकायत पर संज्ञान लेना मात्र एफआईआर से कहीं अधिक कानूनी महत्व रखता है, जहां आरोपपत्र दाखिल होने के बाद भी संज्ञान लेने से इनकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान मामले में, अनुसूचित अपराध गठित करने वाली निजी शिकायत का संज्ञान पहले ही एक सक्षम न्यायालय द्वारा लिया जा चुका है और सर्वोच्च न्यायालय तक इसे बरकरार रखा गया है, जिससे यह एक साधारण पुलिस एफआईआर की तुलना में कहीं अधिक मजबूत स्थिति में है। मेहता ने आगे तर्क दिया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) में अनुसूचित अपराध को दर्ज करने की विधि या ढंग निर्धारित नहीं है।

सरकार ने मनरेगा और लोकतंत्र दोनों पर बुलडोजर चला दिया

वीबी-जीराम-जी विधेयक पर राहुल गांधी का नया वार

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर विकसित भारत–रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025 (वीबी–जीराम–जी विधेयक) पर संसद में चर्चा न करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विधेयक विकास लाने के लिए नहीं, बल्कि विनाश लाने के लिए है, जिसका खामियाजा भारतीयों को अपनी आजीविका खोकर भुगतना पड़ेगा। गांधी ने लिखा कि कोई सार्वजनिक चर्चा नहीं, संसद में कोई विचार–विमर्श नहीं, राज्यों की सहमति नहीं – मोदी सरकार ने एमजीएनआरईजीए और लोकतंत्र दोनों पर ही बुलडोजर चला दिया है। यह विकास नहीं, बल्कि विनाश है – जिसका खामियाजा लाखों मेहनतकश भारतीयों को अपनी आजीविका खोकर भुगतना पड़ेगा। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी जी का यह लेख अवश्य पढ़ें, जो इस गंभीर मुद्दे के हर पहलू को उजागर करता है। संसद ने 18 दिसंबर को विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी–जीराम–जी) विधेयक पारित किया और 21 दिसंबर को राष्ट्रपति की मंजूरी प्राप्त हुई। विधेयक के अनुसार, ग्रामीण परिवारों के प्रत्येक वयस्क सदस्य को अकुशल शारीरिक श्रम करने के लिए वर्तमान 100 दिनों के बजाय 125 दिनों का मजदूरी रोजगार सुनिश्चित किया जाएगा। विधेयक की धारा 22 के अनुसार, केंद्र और राज्यों के बीच निधि बंटवारे का अनुपात 60:40 होगा।

कविताई के नौ रंग पुस्तक का हुआ विमोचन

प्रयागराज । इंक पब्लिकेशन की ओर से रविवार को सिविल लाइंस स्थित एक होटल में पुस्तक विमोचन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि शर्मीला चटर्जी, विशिष्ट अतिथि बेला रानी मित्तल और अध्यक्षता कर रहे पूर्व कमिश्नर

बादल चटर्जी ने कविताई के नौ रंग काव्य संग्रह का विमोचन किया। इस अवसर पर अध्यक्षीय संबोधन में पूर्व कमिश्नर ने कहा कि भाषा के उद्भव के साथ कविताएं जनमानस के बीच अपनी सार्थकता सिद्ध कर रही हैं। भाषा की उड़ान से काव्य सृजन को पंख लग रहे हैं। काव्य संग्रह में संकलित सभी कवयित्रियों की रचनाओं में लय, रस और अनुभूतियों का संगम है। मुख्य अतिथि ने कवयित्रियों की रचनाधर्मिता को सराहा और रवीन्द्र संगीत पर केंद्रित गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति की। बेला मित्तल ने संकलन की सभी कविताओं में संवेदना की गहन अनुभूति है। प्रकाशक दिनेश कुशवाहा ने कहा इस महत्वपूर्ण संकलन में शहर की नौ वरिष्ठ कवयित्रियों की रचनाएं संकलित की गयी हैं। इसमें जय श्री, ज्योतिर्मयी, मीरा सिन्हा, देवयानी, उर्वशी उपाध्याय, रचना सक्सेना, शांभवी, रेनू मिश्रा 'दीपशिखा' और वंदना शुक्ला की चुनिंदा रचनाएं शामिल हैं। इस अवसर पर हुए काव्य पाठ में सभी कवयित्रियों ने चुनिंदा रचनाओं का पाठ किया। कवयित्री देवयानी मुखर्जी ने बादल चटर्जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। स्वागत कवयित्री मीरा सिन्हा, संचालन कवयित्री ज्योतिमर्यी ने किया।

मनरेगा के नाम परिवर्तन के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

प्रयागराज (संवाददाता)। केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को नाम परिवर्तन किए जाने के विरोध में सोमवार को कांग्रेस पार्टी ने डीएम कार्यालय कचहरी पर विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर किया गया। प्रदर्शन

को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष फैजल हाशमी ने कहा कि मनरेगा को समाप्त करने की कोशिश गांधी जी के नाम और उनके मूल्यों को मिटाने का सुनियोजित प्रयास है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियां नफरत और "डिवाइड एंड रूल" पर आधारित हैं, जिसका सीधा असर गरीब, मजदूर और किसानों पर पड़ेगा। प्रदर्शन में शामिल हरिकेश त्रिपाठी, कोऑर्डिनेटर, उत्तर प्रदेश ने कहा कि संसद में भाजपा द्वारा महात्मा गांधी का खुलेआम अपमान किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार द्वारा गांधी जी के नाम पर शुरू की गई मनरेगा योजना का नाम बदलना देश के मूल्यों के खिलाफ है। त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा अब हर योजना में राम जी का नाम जोड़कर मूल मुद्दों से ध्यान भटका रही है, जबकि गरीब, मजदूर और किसानों के अधिकार छीने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का नाम हटाना भाजपा सरकार के पतन की आखिरी कील साबित होगा। कांग्रेस के पूर्व शहर प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय ने कहा कि पिछले बीस वर्षों से मनरेगा ग्रामीण रोजगार की गारंटी रहा है और कोरोना काल में इसी योजना ने करोड़ों लोगों को रोजगार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि केवल महात्मा गांधी का नाम हटाने के उद्देश्य से कानून बदला गया है, जबकि नई व्यवस्था में रोजगार की कोई ठोस गारंटी नहीं है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी की सशर्त जमानत मंजूर

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी सजायाफ्ता अभियुक्त को सशर्त जमानत दे दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति सुभाष चंद्र शर्मा ने विनोद सिंह उर्फ मोनू परिहार की अर्जी पर अधिवक्ता ऋतेश श्रीवास्तव को सुनकर दिया है। इनका कहना था कि याची पर आरोप है कि कानपुर नगर में उसने नाबालिग पीड़िता के घर में घुसकर दुष्कर्म किया। जबकि मेडिकल रिपोर्ट में पीड़िता के शरीर के किसी अंग में चोट नहीं पाई गई। सैंपल में कोई ब्लड आदि नहीं पाया गया। घटना के समय छोटा भाई घर में ही था लेकिन ट्रायल कोर्ट में उसका बयान नहीं दर्ज किया गया। याची को झूठा फंसाया गया है। उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। एफआईआर दर्ज करने में आठ दिन की देरी की गई है। जिसका स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। वह 18 अगस्त 23 से जेल में बंद है। उसके खिलाफ कोई सबूत नहीं फिर भी विशेष अदालत ने उसे सजा सुनाई है। जिसके खिलाफ दाखिल अपील की शीघ्र सुनवाई की संभावना नहीं है। सरकारी वकील ने जमानत का विरोध किया कहा कि भाई की गवाही न कराने व पीड़िता को चोट के निशान न पाये जाने से नहीं कहा जा सकता कि अपराध नहीं हुआ है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं0 : पीआरवाईजे-सिग-039-2025-26 दिनांक :- 19.12.2025

ई-निविदा सूचना

उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मण्डल अल्पावधि निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/समन्वय/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 05.01.2026 को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा नं. : पीआरवाईजे-सिग-039-2025-26 (अल्पावधि निविदा सूचना)

कार्य का विवरण : (ए) डीएसए ग्राउंड, प्रयागराज में स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स भवन के निर्माण, (बी) आईआरटीएमटीसी सूबेदारगंज में सभागार का उन्नयन, विजिटिंग फैकल्टी के लिए ट्रांजिट रूम का प्रावधान, महिला प्रशिक्षुओं के लिए 20 कमरों के साथ नए छात्रावास का प्रावधान, 04 नए एसी क्लासरूम का प्रावधान, (सी) डीआरएम कार्यालय परिसर प्रयागराज में केंद्रीकृत स्टोर की दूसरी मंजिल का निर्माण, के संबंध में दूरसंचार का कार्य।

अनुमानित मूल्य (₹) : 77,66,950/-	बिड सिक्योरिटी (₹) : 1,55,300/-
निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹) : 0/-	कार्य समापन की अवधि : 12 माह

निविदा बन्द होने की तिथि : 05.01.2026

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगी।

निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थान : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। 2464/25 (AS)

@CPRONCR | North central railways | cpronchrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

दोबारा शादी के लिए तलाक की फर्जी रिट दाखिल की

पत्नी बोली- दो बेटियां होने से पति नाराज, SSB जवान को दोबारा 10 लाख दहेज चाहिए

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में दूसरी शादी करने के लिए एसएसबी के एक जवान ने अपनी ही पत्नी के नाम से हाईकोर्ट में फर्जी रिट याचिका दाखिल कर दी। किसी अन्य महिला को उसे बनाकर हाईकोर्ट में खड़ा किया और रिट में बताया कि मैंने दूसरी शादी कर ली है और सुरक्षा चाहती हूं।

इसका पता लगने पर एसएसबी जवान की पत्नी हाईकोर्ट में पेश हुई और बताया कि उसने कोई रिट दाखिल ही नहीं की। हाईकोर्ट ने इस मामले की जांच कराई और आरोप सही पाए जाने पर कार्रवाई के आदेश दिए। इसके बाद सिविल लाइंस पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मऊ की रहने वाली रानी पाण्डेय ने बताया– मेरी शादी 28 जनवरी 2016 को सम्राट पाण्डेय निवासी आजमगढ़ से हुई थी। पति सीमा सुरक्षा बल में हवलदार के पद पर तैनात है और मौजूदा समय में उनकी नियुक्ति झारखंड में है। मेरी दो बेटियां भी हुईं। मुझे दहेज और पुत्री जन्म देने को लेकर शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

महिला का आरोप है कि 2022 में पति ने उसके साथ मारपीट की और उसे घर से

रानी पाण्डेय, पत्नी | सम्राट पाण्डेय, पति

बाहर निकाल दिया। इसके बाद ससुराल पक्ष ने उसे वापस ले जाने के बजाय, उससे पूरी तरह छुटकारा पाने की योजना बनाई।

पीड़िता के अनुसार, ससुराल पक्ष ने उसके नाम से इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक फर्जी रिट याचिका दाखिल कर दी, जिसमें बताया गया कि रानी पाण्डेय ने किसी अन्य व्यक्ति से दूसरी शादी कर ली है और उसके पति को सुरक्षा प्रदान की जाए।

रिट याचिका में महिला का नाम दर्ज किया गया, लेकिन फोटो किसी अन्य महिला की लगाई गई। साथ ही रिट याचिका और अधिवक्ता के वकालतनामे पर भी रानी पाण्डेय के फर्जी हस्ताक्षर किए गए। आरोप है कि आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों का दुरुपयोग किया गया।

महिला का कहना है कि ससुराल पक्ष ने एक अज्ञात महिला को फोटो आइडेंटिफिकेशन सेंटर पर प्रस्तुत कर रानी पाण्डेय के रूप में पहचान करवाई, ताकि न्यायालय को गुमराह किया जा सके। मामले की जानकारी मिलने के बाद रानी पाण्डेय स्वयं उच्च न्यायालय इलाहाबाद में उपस्थित हुई और न्यायालय को बताया कि उसने कोई भी रिट दाखिल नहीं की है और उसके नाम से गंभीर फर्जीवाड़ा किया गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट के निर्देश पर पूरे प्रकरण की जांच कराई गई। एडीसीपी क्राइम जोगेंद्र लाल ने इस प्रकरण की विस्तृत जांच की। इसमें महिला के आरोप प्रथमदृष्टया सही पाए गए। जांच रिपोर्ट पेश होने के बाद न्यायालय ने इस मामले में कार्रवाई का आदेश दिया।

हाईकोर्ट के निर्देश और जांच रिपोर्ट के आधार पर थाना सिविल लाइंस में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इसमें पति, ससुर, सास, ननद, एक अज्ञात अधिवक्ता और फोटो आइडेंटिफिकेशन सेंटर पर रानी बनकर पहुंची महिला को आरोपी बनाया गया है।

पीड़ित महिला के भाई राधेश्याम पांडेय का कहना है कि सम्राट दूसरी शादी करना चाहता है। वह और उसके घरवाले रिश्ते के लिए कई जगह पर तस्वीर भेज रहे थे। इसके लिए उसे पत्नी से तलाक लेना था और इसीलिए उसने यह फर्जीवाड़ा किया। उसे 10 लाख दहेज चाहिए था और इसके लिए ही बहन को मारपीट कर घर से निकाला था।

थाना प्रभारी सिविल लाइंस रामाश्रय यादव ने बताया– महिला की तहरीर और हाईकोर्ट से प्राप्त निर्देशों के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। मामले में फर्जी दस्तावेज, जाली हस्ताक्षर और पहचान बदलकर रिट दाखिल किए जाने जैसे गंभीर आरोप सामने आए हैं। सभी तथ्यों की गहन जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे विधिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रैक्टिकल एग्जाम में फर्जी परीक्षक आसानी से पकड़े जाएंगे, यूपी बोर्ड के सचिव की प्लानिंग, परीक्षा केंद्र पर परीक्षकों की सूची में फोटो होगी

प्रयागराज (संवाददाता)। यूपी बोर्ड की 12वीं की प्रायोगिक परीक्षा 24 जनवरी शुरू होगी। यह परीक्षा 2 चरणों में आयोजित होगी। अब इसमें भी परीक्षकों की पहचान आसानी से की जा सकेगी। इसके लिए उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह की ओर से विशेष प्लानिंग की गई है।

जिस केंद्र पर परीक्षा लेने प्रायोगिक परीक्षक जाएंगे, वहां भेजे जाने वाली सूची में परीक्षक की फोटो पहले से ही लगी रहेगी। इससे केंद्र व्यवस्थापक असली और फर्जी परीक्षकों की आसानी से पहचान कर सकेंगे। इसके अलावा परीक्षा के संबंध में जो निर्देश केंद्रों को भेजे जाते हैं, उसमें यह स्पष्ट रहेगा कि क्या करना है और क्या नहीं करना है।

परीक्षकों को जो नियुक्ति पत्र दिया जाता है, उसमें परीक्षक के मोबाइल नंबर सहित पूरा विवरण और फोटो रहती ही है, लेकिन केंद्र की सूची में परीक्षक की फोटो नहीं होने से फर्जी परीक्षक भी केंद्र पर पहुंच जाते रहे हैं। लेकिन अब ऐसा नहीं हो पाएगा। जब परीक्षक केंद्र पर पहुंचेगा तो उसकी नियुक्ति पत्र से और केंद्र की सूची से फोटो समेत पूरा विवरण भी मिलान किया जाएगा। इससे फर्जी परीक्षकों को रोका जा सकेगा। दरअसल, अभी तक केंद्र की सूची में परीक्षक की फोटो नहीं होती थी।

केंद्रों पर प्रायोगिक परीक्षा आयोजन के दौरान केंद्र व्यवस्थापकों

प्रधानाचार्यों को होने वाली समस्याओं को जानने के लिए बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने पिछले दिनों ही विभागीय अधिकारियों एवं कुछ प्रधानाचार्यों के साथ बैठक की थी। इसमें फर्जी परीक्षकों को रोके जाने का मामला उठाया गया था।

इसके बाद ही सचिव की ओर से यह निर्णय लिया गया। इसके अलावा परीक्षार्थियों को अंक पिछली बार की तरह एप के माध्यम से विद्यालय परिसर से ही आनलाइन दिए जाएंगे।

बेटे को लेक्चरर बना देंगे, कहकर 14 लाख का फ्रॉड

रिटायर दीवान के बेटे को यूपी बोर्ड की मुहर वाले दो फर्जी नियुक्ति पत्र भी थमाए

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में रिटायर दीवान से बेटे की नौकरी के नाम पर 14 लाख के फ्रॉड का मामला सामने आया। आरोपियों ने कैश और ऑनलाइन रुपए ले लिए और बेटे को 2 फर्जी नियुक्ति पत्र थमा दिया। जब युवक ज्वाइन करने पहुंचा तो उसे ठगी का पता चला। अब दो युवकों पर सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

फाफामऊ के रहने वाले देवकी नंदन त्रिपाठी रिटायर दीवान हैं। उन्होंने बताया– मिर्जापुर में नियुक्ति के दौरान मेरी मुलाकात मो. जमाल अख्तर से हुई जो मिर्जापुर का ही रहने वाला है। वहीं पर नैनी के रहने वाले कौशलेश शर्मा से भी मुलाकात हुई। ये दोनों अक्सर पुलिस कार्यालय आते रहते थे।

मैं उन दिनों सीओ नगर की पेशी में नियुक्त था। इन दोनों ने कहा कि कोई कैंडिडेट टीजीटी का हो तो उसे हम पास कराकर नियुक्ति पत्र दिला देंगे। शिक्षा विभाग में एक वरिष्ठ अधिकारी से हमारी जान–पहचान है।

शिकायत करने वाले ने कहा– जून 2021 में रिटायर होने के बाद मैंने कौशलेश से मोबाइल पर सम्पर्क किया और बताया कि मेरा लड़का रोहित कुमार त्रिपाठी टीजीटी परीक्षा में सम्मिलित होना चाहता है। उसने प्रयागराज के प्रधान डाकघर के पास बुलाया जहां

कौशलेश के साथ जमाल भी मिला।

दोनों ने बताया कि 14 लाख रुपए लगेंगे और आपके बेटे को परीक्षा पास कराकर नियुक्ति पत्र दे दिया जाएगा।

एक हफ्ते बाद कौशलेश ने फोन कर एडीए स्थित अपने मकान पर बुलाया। वहां जमाल और उसकी पत्नी बानो साजिदा मिले। जमाल ने बताया कि आपके लड़के की नियुक्ति की बात फाइनल हो चुकी है और अधिकारी को पैसा देना है। उनके कहने पर आरटीजीएस, नकद और यूपीआई के जरिए कुल 14 लाख रुपए दे दिए गए।

कुछ दिनों बाद कौशलेश ने फोन पर बताया कि आपका लड़का टीजीटी परीक्षा में पास हो गया है। कुछ दिनों बाद रजिस्टर्ड डाक से एक नियुक्ति पत्र, जो माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा जारी किया गया था और इस पर अपर शिक्षा निदेशक (राजकीय) उत्तर प्रदेश के दस्तखत भी थे, बेटे को मिर्जापुर में उसके पते पर प्राप्त हुआ।

इसमें राजकीय हाईस्कूल–चहिरया, सोनभद्र में सहायक टीचर पद पर नियुक्ति की बात लिखी थी। जब बेटा गया तो पता चला कि इस पते पर इस नाम का स्कूल अस्तित्व में नहीं है।

फोन करने पर कौशलेश ने कहा कि पता गलत टाइप हो गया है और जल्द दूसरा नियुक्ति–पत्र दे दिया जाएगा।

इसके बाद उसने दूसरा नियुक्ति–पत्र देने की बात कही। इसमें गांव का नाम चकरिया लिख गया था। बाद में पता लगा कि इस नाम का भी कोई विद्यालय सोनभद्र में नहीं था और यह नियुक्ति–पत्र भी फर्जी निकला।

इसके बाद कौशलेश ने एक महीने में पैसा लौटाने की बात कही और 6 लाख का चेक भी दिया। इसके बावजूद पैसे वापस नहीं किए।

थाना प्रभारी सिविल लाइंस रामाश्रय यादव ने बताया– तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। दस्तावेजों की जांच कराई जा रही है।

प्रयागराज में उत्तर मध्य क्षेत्र केंद्र से फाइलें चोरी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज से केंद्र की कुछ महत्वपूर्ण पत्रावलियों के चोरी होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में सिविल लाइंस थाने में थ्व्प्रथमिकी दर्ज कराई गई है। आरोप है कि केंद्र में कार्यरत एक आउटसोर्सिंग कर्मचारी ने एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया। 3 सितंबर को सुबह 10रू30 बजे से 11रू30 बजे के बीच कार्यालय से कुछ महत्वपूर्ण फाइलें चोरी कर ली गईं। आरोप है कि यह चोरी कार्यालय में ही काम करने वाले आउटसोर्सिंग कर्मचारी ऋषि सिंह ने एक अन्य व्यक्ति मदन मोहन मणि के बेटे ने की है। जांच समिति की ओर से की गई प्रारंभिक जांच में यह घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज की प्रति जांच रिपोर्ट के साथ अटैच कर पुलिस को सौंप दी गई है। समिति का कहना है कि चोरी की गई पत्रावलियों के दुरुपयोग की प्रबल संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, जिससे संस्था को प्रशासनिक और कानूनी क्षति हो सकती है। इस मामले में जांच समिति के सदस्यों ने संयुक्त रूप से थाना सिविल लाइंस में तहरीर दी गई है। तहरीर पर मधुकान्त मिश्रा (सहायक कार्यक्रम अधिशासी), कमलेश कुमार श्रीवास्तव (सलाहकार), बसंत लाल (पुस्तकालय सहायक), अभिनव राय (D-E-O) के हस्ताक्षर दर्ज हैं।

फिल्म डायरेक्टर अनुभव सिन्हा पहुंचे संगम, चलाई नाव

प्रयागराज की गलियों का किया भ्रमण, लोकनाथ का फेमस दमआलू खस्ता चखा

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में चल रहे बज्म–ए–विरासत महोत्सव में इन दिनों शहर की रौनक और बढ़ गई है। देश के जाने–माने फिल्म निर्देशक अनुभव सिन्हा भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने प्रयागराज पहुंचे। मुल्क, आर्टिकल 15, थप्पड़, तुम बिन–2 और फराज जैसी चर्चित फिल्मों के निर्देशक अनुभव सिन्हा ने अपने शहर की गलियों में घूमकर बचपन की यादें ताजा कीं। अनुभव

सिन्हा ने संगम में नाव चलाई और लोकनाथ की गलियों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने प्रयागराज की गलियों और यहां की दिव्यता की खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा– प्रयागराज एक दिव्य शहर है और यहां की गलियों में एक अलग ही ऊर्जा और आत्मीयता महसूस होती है। लोकनाथ क्षेत्र में उन्होंने शहर के प्रसिद्ध नाश्ते दमआलू–खस्ता का स्वाद भी चखा और इसे बेहद खास बताया। उन्होंने दमआलू को कहा की दिव्य मैटर है। साथ ही उन्होंने प्रयागराज की गलियों का भ्रमण किया चाय की टपरी का अनुभव लिया। अनुभव सिन्हा का जन्म प्रयागराज में हुआ है और आज वह हिंदी सिनेमा के बड़े निर्देशकों में गिने जाते हैं।

2158 पदों के लिए आज से कर सकेंगे आवेदन

प्रयागराज (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC) ने राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में कुल 2158 पदों पर भर्ती के लिए विस्तृत विज्ञापन 20 दिसंबर को जारी किया था। आयोग की आधिकारिक वेबसाइट नचचेब.नच.दपब.पद पर यह विज्ञापन आज 22 दिसंबर से उपलब्ध होगा। 22 से ही अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह भर्ती वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) आधारित ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से की

जाएगी। इस भर्ती के तहत विभिन्न विभागों में चिकित्सकीय और तकनीकी पद शामिल हैं। आयोग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन करने से पहले आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन और व्ज्त आधारित ऑनलाइन आवेदन के निर्देशों का भली–भांति अध्ययन कर लें। केवल वही अभ्यर्थी आवेदन करें, जो संबंधित पद के लिए निर्धारित शैक्षणिक एवं अन्य अर्हताओं को पूरा करते हों। यूपीपीएससी ने यह भी साफ कर दिया है कि केवल OTR आधारित ऑनलाइन आवेदन ही मान्य होंगे। किसी अन्य माध्यम से भेजे गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। आवेदन शुल्क का भुगतान भी ऑनलाइन माध्यम से ही आयोग के निर्देशों के अनुसार करना होगा। पशुधन विभाग में पशुचिकित्सा अधिकारी के 404 पद हैं। विधायी विभाग में विधीक्षण अधिकारी का 1 पद है। परिवार कल्याण महानिदेशालय में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी के 221 पद हैं। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन में औषधि निरीक्षक के 26 पद हैं। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में दंत सर्जन के 157 पद हैं। आयुर्वेद निदेशालय में चिकित्साधिकारी (आयुर्वेद) के 168 पद होंगे। आयुर्वेद एवं यूनानी पद्धति के सामुदायिक स्वास्थ्य चिकित्साधिकारी के 884 पद हैं। यूनानी निदेशालय में चिकित्साधिकारी (यूनानी) के 25 पद। श्रम विभाग में चिकित्साधिकारी (होम्योपैथिक) के 7 पद। होम्योपैथी निदेशालय में होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी के 265 पद।

प्रयागराज में क्रिसमस की तैयारियां तेज, चर्च की सजावट बनी आकर्षण का केंद्र, बाजारों में क्रिसमस ट्री और सांता क्लॉज की मांग

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज इन दिनों पूरी तरह क्रिसमस के रंग में रंगने लगा है। शहर के ऐतिहासिक गिरजाघरों से लेकर बाजारों तक, हर जगह क्रिसमस की तैयारियां जोरों पर हैं। सिविल लाइंस स्थित प्रसिद्ध ऑल सेंट्स कैथेड्रल (पत्थर गिरजाघर) में विशेष आकर्षण देखने को मिल रहा है। गोथिक शैली के चर्च को रंग–बिरंगी लाइटों और फूलों से सजाया गया है। इसके अलावा कटरा स्थित सेंट जोसेफ कैथेड्रल और लाल गिरजाघर में भी मिडनाइट मास की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। चर्च परिसरों में प्रभु यीशु के जन्म को दर्शाती आकर्षक झांकियां (चरनी) बनाई जा रही हैं, जो लोगों का ध्यान खींच रही हैं। बाजारों में भी क्रिसमस की रौनक बढ़ गई है। सिविल लाइंस, कटरा और चौक के बाजारों में क्रिसमस ट्री, सांता क्लॉज की ड्रेस और सजावटी सामान की दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ रही है। इस बार बाजारों में 2 फीट से 10 फीट तक के आर्टिफिशियल क्रिसमस ट्री उपलब्ध हैं। सांता क्लॉज के मुखौटे और 'मैरी क्रिसमस' लिखे सितारों की मांग सबसे अधिक है। शहर की बेकरियों में भी क्रिसमस केक और प्लम केक की खुशबू महकने लगी है, और लोग एडवांस बुकिंग करा रहे हैं।

प्रयागराज के न्यायिक मजिस्ट्रेट से हाई कोर्ट ने मांगी सफाई

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रयागराज के न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय से सफाई मांगी है। कोर्ट ने कहा, याची की 2023 में दाखिल कंप्लेंट अभी तक पंजीकृत क्यों नहीं की गई केवल बिना नंबर के केस की सुनवाई की जा रही है। याचिका की अगली सुनवाई 12 जनवरी को होगी। यह आदेश

न्यायमूर्ति अनिल कुमार ने झूंसी के हीरामणि यादव की याचिका पर अधिवक्ता कुंजेश कुमार दुबे को सुनकर दिया है। इनका कहना है कि याची ने 2023 में भास्कर यादव के खिलाफ कंप्लेंट केस दाखिल किया था। जिसका अभी तक कोई नंबर नहीं दिया गया है। आदेश सीट भी दाखिल की गई है। मालूम हो कि भास्कर ने याची से 20 लाख रुपये उधार लिए थे, वापस नहीं किया। चेक दिया था लेकिन वह बैंक से अनादर हो गया।

जिलाधिकारी ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के सम्बंध में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

एएसडी श्रेणी के मतदाताओं की हिन्दी अनुवादित सूची पूर्ण विवरण सहित ई0सी0आई0 पोर्टल पर उपलब्ध
सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि पोर्टल पर उपलब्ध सूची का अवलोकन स्वयं एवं अपने बीएलए के माध्यम से करते हुए यदि कोई विसंगति हो, तो उसे दूर कराये
अपात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में न हो सम्मिलित : जिलाधिकारी

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अन्तर्गत हो रहे एएसडी मतदाताओं के पुर्नसत्यापन व मैपिंग के कार्यों की प्रगति एवं गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी ने कहा कि बीएलओ के द्वारा बनायी गयी मतदाताओं की एएसडी लिस्ट को आप सभी लोगो के साथ साझा किया गया है, यदि कोई व्यक्ति गलती से एएसडी लिस्ट में सम्मिलित हो गया है, तो उसे अभी 26 दिसम्बर तक रोलबैक कराया जा सकता है अन्यथा सम्बंधित मतदाता का नाम ड्राफ्ट प्रकाशन की लिस्ट में सम्मिलित नहीं होगा। अतः आपसे अनुरोध है कि आपके द्वारा नियुक्त बीएलए पूरे डेडीकेशन के साथ लग कर बीएलओ का सहयोग करें, जिससे कोई भी पात्र मतदाता छूटने न पाये।

जिलाधिकारी ने बताया कि बीएलओ के द्वारा मृतक, पूर्ण रूप से स्थानातरित, डुप्लीकेटध्आल रेडी इनरोल्ड, अनुपस्थित एवं अन्य मतदाताओं को चिन्हित कर बनायी गयी एएसडी लिस्ट को आप सभी राजनैतिक दलों के द्वारा नियुक्त बीएलए के साथ साझा किया गया है और सभी बूथों पर चस्पा भी कराया गया है और एएसडी मतदाताओं की मतदेय स्थलवार सर्चेबल फार्मेट पर तैयार की गयी लिस्ट को जनपद प्रयागराज की वेबसाइट−ीजजचे रूध्ध्चतंलंहतंरण्दपबण्पद पर अपलोड भी किया गया है, जिसपर जनसामान्य अपना नाम एएसडी सूची में देख सकते है, यदि किसी व्यक्ति का नाम बीएलओ के द्वारा एएसडी लिस्ट में गलत चिन्हित कर लिया गया है, तो वह अपना नाम सम्बंधित बीएलओ अथवा ईआरओ से सम्पर्क कर रोलबैक करा सकता है।

जिलाधिकारी ने बैठक में बताया कि अभी एएसडी वोटर्स पर विशेष फोकस कर उन्हें ढूढंने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सभी मतदाताओं से अनुरोध है कि अपने-अपने बूथों पर जाकर अपना नाम एएसडी लिस्ट में चेक कर लें, यदि किसी गलती से उनका नाम एएसडी लिस्ट में सम्मिलित हो गया है, तो वह अपना नाम रोलबैक करा ले। बताया कि कुल 30,31,144 (86.15 प्रतिशत) मतदाताओं का डिजिटाइजेशन के अनुसार मैपिंग का कार्य दिनांक 22 दिसम्बर के अपरान्हन 02:00 बजे तक पूर्ण कर लिया गया है।

बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के ई0सी0आई0 नेट पोर्टल पर एएसडी श्रेणी के मतदाताओं की हिन्दी अनुवादित सूची पूर्ण विवरण सहित डाउनलोड करने हेतु आप्शन उपलब्ध करा दिया गया है। उन्होंने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से सूची का अवलोकन स्वयं एवं अपने बीएलए के माध्यम से करवाने के लिए कहा है, जिससे कि कोई विसंगति पायी जाती है, तो तत्काल सक्षम अधिकारी को अवगत कराते हुए उसे सही कराया जा सके।

जिलाधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि बीएलओ के पास फार्म-6 उपलब्ध करा दिए गए है, जिन लोगो ने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर लिया है, लेकिन अभी तक उनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं है या ऐसे लोग जो अर्हता तिथि 01.01.2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे है या ऐसे मतदाता जो पूर्व में मतदाता थे, लेकिन किन्हीं कारणों से मतदाता सूची में उनका नाम नहीं है, तो वह सभी फार्म-6 भरकर जमा कर सकते है, ऐसे सभी मतदाताओं का नाम 28 फरवरी, 2026 के फाइनल ड्राफ्ट रोल में आ जायेगा। नए वोटर्स बनाये जाने का अभियान भी चलाया जा रहा है। उन्होंने सभी प्रतिनिधियों से इस अभियान में सहयोग करने के लिए एवं बीएलओ से सम्पर्क कर फार्म-6 अनुलग्नक-4 सहित घोषणापत्र के साथ बीएलओ को उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध किया।

जिलाधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट को और अधिक सक्रिय करने और व सम्बंधित बीएलओ से एएसडी लिस्ट को अवश्य रिसीव कर लें और लिस्ट का अवलोकन कर लिस्ट में सम्मिलित लोगो को ट्रेस करने में बीएलओ को अपना सहयोग प्रदान करें। उन्होंने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि वे सभी एएसडी लिस्ट में चिन्हित मतदाताओं का सर्वे कराकर अपने स्तर से भी पुष्टि अवश्य कर लें, यदि किसी भी मतदाता का एएसडी लिस्ट में गलत अंकन हो गया है, तो उसका रोलबैक अवश्य करा लें। कोई भी पात्र मतदाता एएसडी लिस्ट में सम्मिलित न रहे। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती पूजा मिश्रा, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण एवं निर्वाचन से सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

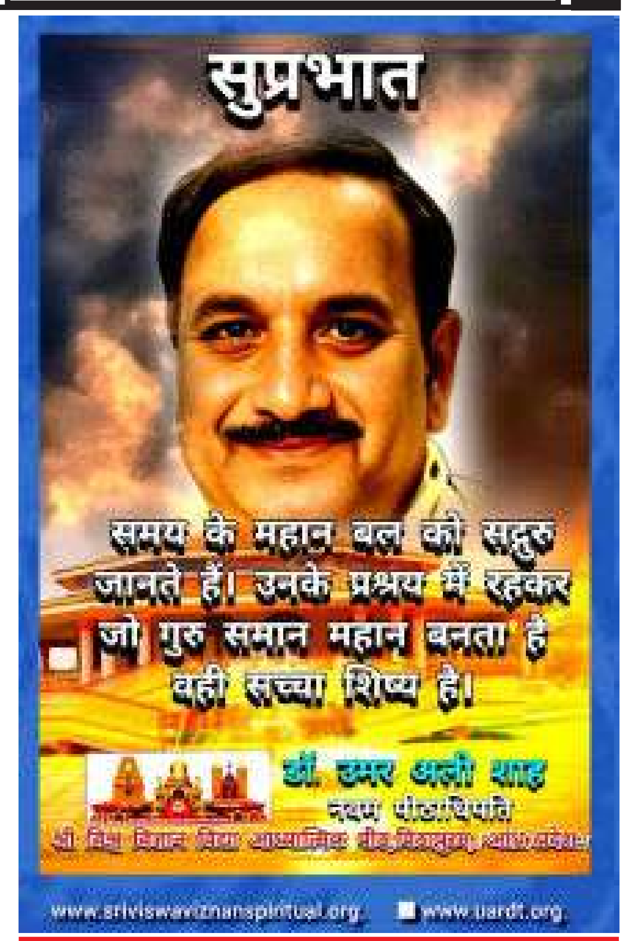

पेंटास के फूल पेंटास के फूल

लाल गुलाबी बैंगनी, रंग लिए पेंटास।
उपवन की शोभा बने, फूलों में है खघस।
फूलों में है खघस, दिखें जो तारों जैसे।
चटक रंग के साथ, बहुत मोहक हैं लगते।
सुन लो कहें प्रदीप, न जिसमें दिखे खराबी।
शानदार है फूल, श्वेत अरु लाल गुलाबी।।

सुन्दरता जीवन्तता, मोहक रंग सुगन्ध।
सबकुछ है पेंटास में, मौसम लिखे निबन्ध।
मौसम लिखे निबन्ध, मिस्र का तारा कहके।
गुच्छो में खिल फूल, सदा मुस्काते रहते।
सुन लो कहें प्रदीप, जहाँ में हँसकर कहता।
निर्मलता का रंग, फूल की है सुन्दरता।।

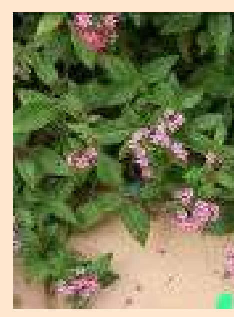

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

2027 विधानसभा चुनाव हेतु लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने बनाई रणनीति

मुजफ्फरनगर। लोकजनशक्ति पार्टी रामविलास की बैठक का आयोजन कैम्प कार्यलय सदर बाजर में आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष डॉ चन्द्र प्रकाश ने व संचालन प्रचार मंत्री प्रवीण शर्मा ने किया। बैठक में मुख्यतिथि प्रदेश प्रधान महासचिव राजीव गोयल का बैठक में पहुचने पर स्वागत किया गया। बैठक में मुख्य रूप से 2027 के विधानसभा चुनाव व पंचायत चुनावों पर पार्टी की रणनीति पर विशेष चर्चा की गई। बैठक ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने पार्टी संगठन को मजबूत करने व 2027 चुनावो के लिये अपने अपने सुझाव दिए। मुख्यतिथि प्रधान महासचिव राजीव गोयल ने कहा कि चुनावो से पूर्व हम सभी को पार्टी संगठन पर विशेष ध्यान देना होगा जब तक पार्टी संगठन मजबूत नही होगा तब तक हम चुनावो के विषय मे सोच भी नही सकते उन्होंने बिहार मोडल पर सभी का ध्यान आकृष्ट किया बताया कि संगठन के बल पर लोकसभा की 5 सीट व विधानसभा में 19 सीटों पर संगठन के बल पर ही विजय हासिल की है जिसके लिये राष्ट्रीय अध्यक्ष मा0 चिराग पासवान जी व उनकी समस्त टीम बधाई की पात्र है। हमे जनजन तक अपनी पार्टी व अपने नेता की नीतियों व सिद्धान्तो को पहुचना होगा। उन्होंने कहा कि सभी पधाधिकारी अपने अपने आवास व कार्यालय पर पार्टी का बैनर लगाए व झंडा लगाए आमजन की समस्याओं के लिये अधिकारियों से मिलकर उनका समाधान कराए तभी हम सभी 2027 मे विजय हासिल कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी की रीढ़ पार्टी का कार्यकर्ता है जनके सम्मान को किसी भी हाल में ठेस नही पहुचनी चाहिए। ऊन्होने ये भी कहा किसी भी पधाधिकारी अथवा कार्यकर्ता को उनकी आवश्यकता होगी वो हमेशा तत्पर रहेंगे। बैठक के अध्यक्ष

जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश जी ने कहा कि पार्टी में अनुशासन का होना सबसे आवश्यक है पार्टी के सभी पधाधिकारी जनता की समस्याओं से रूबरू होकर उनका समाधान हेतु सक्षम अधिकारी से वार्ता कराए कोई भी दिक्कत आने पर वे स्वयं तथा प्रदेश के पधाधिकारी उनके साथ ही। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठनात्मक रूप से जब तक मजबूत नहो होगी तब तक चुनाव पर चर्चा करनी ही बेमानी है। उन्होंने कहा कि 2026 नववर्ष पर जिला मुख्यालय पर कार्यालय खोला जाएगा जिसमे प्रत्येक रविवार को जनता की समस्या भी सुनी जाएगी और सक्षम स्तर से उसका समाधान भो कराया जाएगा। उन्होंने पार्टी के ब्लॉक अध्यक्षो से गाँव गाँव मीटिंग आयोजित करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गाँव गाँव पार्टी संगठन को मजबूत करना पार्टी की प्राथमिकता है। बैठक में मुख्य रूप से रविन्द्र सिंह जटवाड़ा, सुनील कुमार गांधीनगर, लोकेश कश्यप, नवाब सिंह, अमित कुमार, अंकुर दीक्षित,मुजस्सिम हुसैन (जिला उपाध्यक्ष) नवाब मलिक जिला संगठन मंत्री, जब्बार बघरा ब्लॉक अध्यक्ष, संजीव कुमार मोरना ब्लॉक अध्यक्ष ,समंदर सेन पुरकाजी विधान सभा अध्यक्ष, डॉ रघुबीर सिंह जिला प्रचार मंत्री , मनोज अग्रवाल , श्री चन्द कटारिया जिला महासचिवआदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

रज्जू भय्या विश्वविद्यालय में गणित दिवस का आयोजन

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 22 दिसंबर को भारतीय महान गणितज्ञ डॉ. श्रीनिवासन रामानुजन के 138वें जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम माननीय कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह के संरक्षण में गणित विभाग एवं विज्ञान संकाय के द्वारा आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने अपने उद्‌बोधन में डॉ. रामानुजन के गणित में अतुलनीय योगदान, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में गणित के व्यावहारिक अनुप्रयोगों तथा इससे जुड़ी चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रो. एन.बी. सिंह 'हरियाली गुरु' ने डॉ. रामानुजन के अल्प जीवनकाल में अर्जित महान उपलब्धियों तथा आधुनिक गणित में उनकी निरंतर प्रासंगिकता पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उपमा सिंह बघेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. श्वेता शाही ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। अन्य वक्ताओं के रूप में डॉ. आशिक अहिरवार, डॉ. स्वस्तिका सिंह एवं डॉ. विवेक अग्रहरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में गणित विभाग के शिक्षकों डॉ. पंकज कुमार मौर्य, डॉ. आशिक अहिरवार, डॉ. श्वेता शाही तथा परास्नातक छात्र-छात्राओं की भूमिका सराहनीय एवं अग्रणी रही। कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के डॉ. शिवशंकर यादव, डॉ. नवीन कुमार तिवारी, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. धीरज पांडेय, डॉ. विशाल, डॉ. सोनम राय एवं डॉ. अखिलेश सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की सहभागिता उपस्थिति रही।

Captain Raghawendra' Prabha का हुआ विमोचन

मीरजापुर । सृष्टि राज द्वारा अंग्रेजी में अनुवाद की गई पुस्तक Captain Raghawendra's Prabha का विमोचन प्रयागराज पुस्तक मेले में हुआ। सृष्टि राज की दो पुस्तकें दर्पण में बचपन व बहादुर कुकू पूर्व प्रकाशित हो चुकी हैं जो कि हिंदी में है। प्रयागराज पुस्तक मेले में सृष्टि राज द्वारा अंग्रेजी में अनुवादित और शिबू गाजीपुरी द्वारा लिखी गई पुस्तक कैप्टन राघवेंद्र की प्रभा का विमोचन मनीष गर्ग, विपिन सिंह, आनंद अमित, विजय कुमार श्रीवास्तव और वेद प्रकाश वेद ने किया। अपने वक्तव्य में मनीष गर्ग ने कहा कि कैप्टन राघवेंद्र की प्रभा एक ऐतिहासिक उपन्यास है। विपिन सिंह ने कहा

कि कैप्टन राघवेंद्र जैसे नायक हमारे युवा पीढ़ी के लिए मार्गदर्शन का कार्य करते हैं। ऐसे महान व्यक्तित्व पर उपन्यास लिखा जाना महत्वपूर्ण है। आनंद अमित ने कहा कि कैप्टन राघवेंद्र की प्रभा 1971 के भारत पाक युद्ध अर्थात बांग्लादेश उदय के वक्त की वास्तविक घटना पर आधारित एक उपन्यास है। कैप्टन राघवेंद्र के युद्ध में मारे जाने की सूचना तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और मानेकशॉ के पत्रों के माध्यम से आई। लेकिन राघवेंद्र की धर्मपत्नी प्रभा ने कहा कि कैप्टन राघवेंद्र जीवित हैं। उनका विश्वास जीता और सेना द्वारा कैप्टन राघवेंद्र के जीवित होने की सूचना आई। आज भी कैप्टन राघवेंद्र और प्रभा वाराणसी में रह रहे हैं। इस महत्वपूर्ण घटना पर आधारित उपन्यास का अंग्रेजी में अनुवाद करने वाली सृष्टि राज ने इसे युवाओं के लिए महत्वपूर्ण और उपयोगी बताया। कार्यक्रम का संचालन आनंद अमित ने किया। स्वागत भाषण वेद प्रकाश वेद ने दिया। धन्यवाद विजय कुमार श्रीवास्तव ने प्रकट किया। अरुण यादव, प्रो. बालेश्वर, देवी प्रसाद वेदांती, पीयूष मिश्र, आशीष प्रजापति, यामिनी प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

कवित्री चित्रा श्रीवास्तव की दो कृतियों मेरा मन वृंदावन तथा दुलह्नि दूलहु का भव्य लोकार्पण

चित्रा एक अलग अलौकिक दृष्टि एवं कल्पना की रचनाकार : कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा

प्रयागराज। ओहरियो ऑर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में कवयित्री चित्रा विशाल श्रीवास्तव की काव्य कृतियों – 'मेरो मन वृन्दावन' एवं 'दुलहिन दूलहु'कृका लोकार्पण प्रयागराज स्थित ब्लू बेल स्कूल करेली सभागार में सुप्रसिद्ध अकादमी चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अध्यक्षीय संबोधन में कुशवाहा ने कहा कि दोनों पुस्तकों में राधा कृष्ण के अलौकिक प्रेम का सजीव चित्रण हुआ है स्वर कोकिला कवित्री चित्रा श्रीवास्तव ने 'मेरो मन वृन्दावन' में रसिक भक्त के हृदय में उठते वियोग व संयोग के भावों को गीत-पदों के माध्यम से अभिव्यक्त किया है, वहीं 'दुलहिन दूलहु' में श्यामा-श्याम के मध्य घटित सुंदर लीलाओं का काव्यमय चित्रण किया है। दोनों कृतियों की विशेषता यह है कि इनमें भावानुसार उपयुक्त चित्रों का समावेश है। उल्लेखनीय है कि चित्रा जी की यह ग्यारहवीं पुस्तक है। सर्वप्रथम अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात ओहरियो

ऑर्गेनाइजेशन ने सभी अतिथियों को अंगवस्त्र, पुष्पदान प्रदान कर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि के रूप में राघवेन्द्र बहादुर सरल व श्रीमती सरला श्रीवास्तव उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में श्रीमती कल्पना वर्मा, श्रीमती जया मोहन एवं श्रीमती विजय लक्ष्मी विभा शामिल रहीं मुख्य वक्ता में भगवान प्रसाद उपाध्याय रहे। संचालन प्रो.रवि कुमार मिश्र ने किया। ब्लू बेल स्कूल के प्रबंधक संदीप कुशवाहा के अतुलनीय सहयोग से यह कार्यक्रम से संपन्न हुआ।

अन्य वक्ताओं में कल्पना वर्मा, जया मोहन, मिली संजय 'श्री', इं. रंजन पाण्डेय, पंडित राकेश मालवीय 'मुस्कान', अजित श्रीवास्तव एवं अन्नू श्रीवास्तव ने आध्यात्मिक पक्ष एवं चित्रमय प्रस्तुति को विशेष रूप से सराहा।

ओहरिओ की ओर से अदिति श्रीवास्तव एवं चित्रा विशाल श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, साहित्य प्रेमियों एवं उपस्थित जनों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन प्रभंजन त्रिपाठी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर साहित्यकार अनु श्रीवास्तव, डॉ.अरविंद मालवीय, मुक्तक सम्राट पाल प्रयागी, शरद श्रीवास्तव, राघवेन्द्र बहादुर श्रीवास्तव, प्रभंजन त्रिपाठी, मधुरिमा शर्मा, चेतना सिंह चितेरी, डॉ. मंजू प्रकाश, शैलेंद्र जय, ऋतु पाण्डेय, अदिति श्रीवास्तव, सुयश श्रीवास्तव, विवान शिवाय श्रीवास्तव, श्रिया, आदिल खां की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कवि मुकुल मतवाला को कवियों का आशीर्वाद

प्रयागराज। आज 2 बजे से कवि मुकुल मतवाला जी के आवास रैन बसेरा पर एक उन्हे 20 दिसम्बर को साहित्य शिखर सम्मान मिलने के उपलक्ष्य में कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस आयोजन की अध्यक्षता कमल नारायण शुक्ल की ने की। हरिवंश पाण्डेय मुख्य अतिथि एवं इन्दमणि मिश्र विशिष्ट अतिथि रहे। इस आयोजन में शिवराम गुप्ता, विवेक सत्याशु, महक जौनपुरी, रचना सक्सेना, डॉ हर्ष पाण्डेय आदि उपस्थित रहे और सभी ने एक दूसरे की कविताओं का भरपूर आनंद लिया। मंजू महक जौनपुरी ने अपनी गजल से शमा बांध दिया। अध्यक्ष कमल नारायण शुक्ल ने देश की वर्तमान स्थिति को देखते हुए चिंतनीय रचनाएँ पढ़ी और लोगो ने बहुत सराहा। मुकल मतवाला ने संचालन और आभार ज्ञापन भी। सम्मानीय उपस्थित कवियों ने मुकुल मतवाला को अपनी और से उनका सम्मान पत्र उनको अर्पित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

नगर आयुक्त ने किया रेन बसेरा का निरीक्षण

प्रयागराज। दिसम्बर, 2025 को शीतलहर एवं अत्यधिक ठंड के प्रकोप को देखते हुए श्री सीलम सांई तेजा, नगर आयुक्त, नगर निगम, प्रयागराज द्वारा समस्त जोनल अधिकारियों को अलाव एवं रैन बसेरा का निरीक्षण किये जाने का निर्देश दिया गया ताकि निरश्रित एवं रात को फुटपाथ एवं सड़को पर राज गुजारने वालो को ठंड से राहत के दृष्टिगत सभी जोन के मुख्य चौराहों, लेबर चौराहों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डा एवं रैन बसेरों आदि पर अलाव की व्यवस्था रहे। साथ ही रैन बसेरों को साफई का विशेष ध्यान रखते हुए तकिया चादर, गद्दे एवं राजाईध्कम्बल व शुद्ध पेयजल इत्यादि का भी विशेष ध्यान दिया जाए। इसके अतिरिक्त सम्बन्धित अधिकारियों निरन्तर निरीक्षण करते रहने के निर्देश दिये गयेस

मनरेगा का नाम बदलने पर कांग्रेसियों ने डीएम कार्यालय के बाहर नारेबाजी कर किया प्रदर्शन

मुजफ्फरनगर। दरअसल हम आपको बता दें कि आज सोमवार के दिन कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर मनरेगा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना कानून का नाम बदलने के विरोध में मुजफ्फरनगर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस अल्पसंख्यक के जिलाध्यक्ष हकीम जफर महमूद के नेतृत्व में जिला अधिकारी कार्यालय मुजफ्फरनगर पर महात्मा गांधी के चित्रों को हाथ में लेकर जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस अवसर पर हकीम जफर महमूद ने कहा कि भाजपा की केंद्र की मोदी सरकार ने महात्मा गांधी के नाम पर बने कानून मनरेगा को खत्म करके अपने आदर्श गोडसे की आत्मा को खुश करने की कोशिश की है। भाजपा देहात में रहने वाले दलितों, पिछड़ों एवं ग्रामीण मजदूरों को फिर से बेगार बनाना चाहती है। इससे देश के गरीब राज्यों में गरीबी और पलायन की समस्या और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गरीबों के रोजगार के इस कानून को खत्म करने के खिलाफ संघर्ष करेगी। प्रदर्शन करने वालों में हकीम जफर महमूद के साथ मुख्य रूप से ममनून अंसारी एडवोकेट जिला महासचिव कांग्रेस, रिजवान सिद्दीकी जिला महासचिव कांग्रेस, हर्षवर्धन त्यागी, फैज मोहम्मद खान, राशिद चौधरी, सद्दाम सिद्दीकी, साकिब अंसारी, अखिल सैनी, राहुल शर्मा, माजिद अली, मोहसिन चौधरी, अफजाल अंसारी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय........

त्योहारों में सबसे अहम होता है अपनों के साथ होना

मैं उस दिन को नहीं भूल सकता जब मैं बाथरूम से भागता हुआ बाहर चला आया था और मेरी ठुड्डी पर टूथपेस्ट लगा था। क्योंकि मैंने अपनी मां को यह कहते हुए सुना था कि जल्दी ब्रश करके इधर आओ, देखो पापा तुम्हारे लिए क्या लाए हैं। लेकिन मुझे देखते ही मां ने कहा– छी! पूरे चेहरे पर पेस्ट लगा है। जल्दी जाकर मुंह धोकर आओ। मैंने मां के पल्लू से मुंह पोंछ लिया, टूथब्रश को एक तरफ फेंक दिया और उस उपहार पर झपट पड़ा। लेकिन इस बार पिता ने मुझे रोक दिया और एक ऐसी आवाज में– जिसमें सख्ती थी, लेकिन प्यार भी घुला हुआ था– उन्होंने मुझसे कहा, नहीं पहले मुंह धो लो, फिर आना। हम तब तक इंतजार करेंगे। मैं स्क्रीन पर किसी फिल्म के दृश्य के बदलने से भी तेज गति से लौट आया। संभवतरू लाइफबॉय वालों ने अपना मशहूर स्लोगन 'बंटी, तेरा साबुन स्लो है क्या? ऐसे ही किसी दृश्य से बनाया होगा। बचपन की यह याद मेरे मन में तब कौंध गई, जब मैंने अमेरिका के टेक्सास की 49 वर्षीय बेट्सी मोड्रेजेव्स्की के बारे में पढ़ा। उन्हें 'मिसेज क्लॉज' के रूप में प्रदर्शित किया जा रहा है और वे क्रिसमस से पहले अमेरिकी बच्चों में बेहद लोकप्रिय हो चुकी हैं। सफेद नकली फर की किनारी के साथ सैटिन के लाल परिधान में जब बेट्सी चेहरे पर चौड़ी मुस्कान लिए किसी प्राथमिक स्कूल, बड़े रिटेल स्टोर या पुनर्वास केंद्र में प्रवेश करती हैं, तो पृष्ठभूमि में घोषणा होती है– मिसेज क्लॉज आ गई हैं और उनके पास हमारे लिए एक बड़ी खबर है। बच्चे– जिनमें से कुछ उस समय स्टोर के किसी कोने में केक खा रहे होते हैं– वो चेहरों पर लगी क्रीम के साथ ही उनकी ओर दौड़ पड़ते हैं। वे ऐलान करती हैं– बड़ी घोषणा यह है कि तुम सब 'नाइस लिस्ट' में हो और तुम्हें सांता क्लॉज से तोहफा मिलने वाला है। और जब आंखों में चमक लिए कोई मासूम बच्चा उनसे पूछ बैठता है– सांता क्लॉज कहां हैं? तब वे मुस्कराते हुए जवाब देती हैं– वो घर पर आराम कर रहे हैं और क्रिसमस की पूर्व संध्या पर आएंगे। सेंट निक की धर्मपत्नी की बढ़ती लोकप्रियता न केवल इन देशों में महिलाओं को आवाज दे रही है, बल्कि बच्चों के मन में सांता क्लॉज की पारंपरिक कल्पना को भी बदल रही है। उसकी जगह अब क्यूट लगने वाली मां की परिकल्पना उनके मन में उभर रही है। बेट्सी जैसी महिलाओं की लोकप्रियता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि समाज अब रोजमर्रा की जड़ता से बाहर निकलना चाहता है और मातृत्व के गुणों को सामने लाकर सकारात्मक महिला रोल मॉडलों को भी हमारे सामने रख रहा है। मिसेज क्लॉज बनने के कोई सही या गलत नियम नहीं हैं। एकमात्र नियम यही है कि उन्हें बच्चों से प्रेम होना चाहिए, दिल में क्रिसमस की सच्ची भावना होनी चाहिए और उन्हें ऐसी स्मृतियां रचनी चाहिए, जो जीवन भर हमारे साथ रहें। इसके अलावा वे जैसी चाहें वैसी हो सकती हैं। जहां कई जगहों पर मिसेज क्लॉज अब भी सांता क्लॉज के साथ दिखाई देती हैं, वहीं इस सीजन में बेट्सी जैसी कुछ प्रस्तुतियां पूरी तरह एकल रही हैं। मिसेज क्लॉज अब अधिक सशक्त हैं, वे मैराथन दौड़ती हैं और कई परिवार अपनी बेटियों के लिए इसी तरह के उदाहरण चाहते हैं। यही भावना उत्सवों की आत्मा को दर्शाती है। जहां परंपराएं, भोजन, संगीत उत्सव की पृष्ठभूमि तैयार करते हैं, वहीं किसी त्योहार का वास्तविक मूल्य साझा अनुभव और मानवीय रिश्तों को मजबूत करने में ही निहित होता है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था व्यापार तथा युद्ध में अवलंबित आवश्यकताओं पर निर्भर रिश्ते

संजीव ठाकुर

वैश्विक व्यवस्था अब मित्र–शत्रु की नहीं बल्कि उपभोक्ता–आपूर्तिकर्ता, निवेशक–बाजार और शक्ति–संतुलन की भाषा में स्वयं को परिभाषित कर रही है।

विश्व आज जिस मोड़ पर खड़ा है वहाँ रिश्तों की भाषा धीरे–धीरे संविदाओं, समझौतों, अनुबंधों और लाभ–हानि के गणित में बदल चुकी है। मानवीय संवेदना, सांस्कृतिक आत्मीयता और नैतिक दायित्वों की जगह सामरिक हितों और व्यापारिक समीकरणों ने ले ली है। वैश्विक व्यवस्था अब मित्र–शत्रु की नहीं बल्कि उपभोक्ता–आपूर्तिकर्ता, निवेशक–बाजार और शक्ति–संतुलन की भाषा में स्वयं को परिभाषित कर रही है, अमेरिका, रूस और चीन जैसे महाशक्तियों से लेकर भारत, यूरोप और सऊदी अरब तक सभी राष्ट्र या तो युद्ध की आशंका से संचालित हैं या व्यापार की अनिवार्यता से, और अक्सर दोनों एक–दूसरे में इस तरह गुंथे हुए हैं कि अलग–अलग पहचानना कठिन हो गया है।शीत युद्ध के बाद यह आशा की गई थी कि विश्व सहयोग, बहुपक्षीयता और साझा विकास की दिशा में आगे बढ़ेगा किंतु इक्कीसवीं सदी का यथार्थ बताता है कि तकनीक, ऊर्जा, हथियार, दुर्लभ खनिज, खाद्य सुरक्षा और जलवायु जैसे मुद्दे नए प्रकार के संघर्षों को जन्म दे रहे हैं जहाँ युद्ध केवल बंदूकों और मिसाइलों से नहीं बल्कि प्रतिबंधों, टैरिफ, आपूर्ति शृंखलाओं के अवरोध, साइबर आक्रमण और सूचना युद्ध से लड़े जा रहे हैं। अमेरिका वैश्विक मुद्रा व्यवस्था, तकनीकी वर्चस्व और सैन्य गठबंधनों के माध्यम से अपनी स्थिति बनाए रखना चाहता है जबकि चीन उत्पादन, निर्यात, आधारभूत ढाँचे और नवाचार के बल पर विश्व बाजार का केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। रूस ऊर्जा संसाधनों और सामरिक शक्ति को अपने प्रभाव का आधार बनाकर पश्चिमी वर्चस्व को चुनौती देता है, यूरोप सुरक्षा के लिए नाटो पर निर्भर रहते हुए भी ऊर्जा, आप्रवासन और आर्थिक मंदी की दुविधाओं से जूझ रहा है, (भारत एक ओर आत्मनिर्भरता और बहुपक्षीय संतुलन की नीति अपनाते हुए वैश्विक आपूर्ति शृंखला में विश्वसनीय भागीदार बनना चाहता है तो दूसरी ओर अपनी सीमाओं और सुरक्षा को लेकर सतर्क है)। सऊदी अरब और खाड़ी देश तेल और गैस के माध्यम से वैश्विक राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाते हुए धीरे–धीरे अर्थव्यवस्था के विविधीकरण और तकनीकी निवेश की ओर बढ़ रहे हैं, इन सभी उदाहरणों में एक साझा सूत्र यह है कि रिश्ते स्थायी नहीं रहे, हित स्थायी हो गए हैं, आज कोई देश दूसरे देश का मित्र इसलिए नहीं है कि उसके साथ ऐतिहासिक या सांस्कृतिक निकटता है बल्कि इसलिए है कि उससे उसे ऊर्जा मिलती है, बाजार मिलता है, तकनीक मिलती है या सुरक्षा की गारंटी मिलती है, युद्ध भी अब केवल भूभाग या विचारधारा के लिए नहीं बल्कि संसाधनों, प्रभाव क्षेत्रों और आपूर्ति मार्गों के नियंत्रण के लिए लड़े जा रहे हैं, यूक्रेन संघर्ष ने यह स्पष्ट कर दिया कि एक क्षेत्रीय युद्ध कैसे वैश्विक ऊर्जा कीमतों, खाद्यान्न आपूर्ति और मुद्रास्फीति को प्रभावित कर सकता है, मध्य–पूर्व की अस्थिरता दिखाती है कि तेल, धर्म, भू–राजनीति और हथियार उद्योग कैसे एक–दूसरे को पोषित करते हैं, एशिया–प्रशांत क्षेत्र में तनाव यह संकेत देता है कि तकनीकी श्रेष्ठता और समुद्री मार्गों का नियंत्रण आने वाले समय की सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती है, विज्ञान और तकनीक जो कभी मानव कल्याण के साधन माने जाते थे आज वे भी सामरिक प्रतिस्पर्धा के उपकरण बन गए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक, अंतरिक्ष तकनीक और जैव–प्रौद्योगिकी पर नियंत्रण अब राष्ट्रों की शक्ति का नया पैमाना है, जो देश इन क्षेत्रों में आगे है वही वैश्विक नियम तय करने की क्षमता रखता है, व्यापार अब केवल वस्तुओं का लेन–देन नहीं रहा बल्कि मूल्यों, मानकों और निर्भरता का निर्माण बन गया है, जब कोई देश किसी दूसरे देश पर तकनीक या कच्चे माल के लिए निर्भर होता है तो उसकी विदेश नीति स्वतः ही सीमित हो जाती है, इसी कारण आत्मनिर्भरता की बातें बढ़ी हैं किंतु पूर्ण आत्मनिर्भरता आज के वैश्विक ताने–बाने में एक भ्रम जैसी प्रतीत होती है, वास्तविकता यह है कि विश्व परस्पर निर्भर है पर यह निर्भरता समान नहीं है, कहीं कोई देश नियम बनाता है तो कहीं कोई देश केवल उनका पालन करता है, इस असमानता ने अविश्वास को जन्म दिया है और अविश्वास ने हथियारों की दौड़, संरक्षणवाद और क्षेत्रीय गठबंधनों को, संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थाएँ इन जटिलताओं के सामने अक्सर असहाय दिखाई देती हैं क्योंकि उनके निर्णय भी शक्तिशाली देशों के हितों से प्रभावित होते हैं। मानवीय संकट, शरणार्थी समस्या और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दे भी तब तक प्राथमिकता नहीं बन पाते जब तक वे किसी बड़े राष्ट्र के व्यापार या सुरक्षा हितों से सीधे न टकराएँ, इस पूरी स्थिति में आम मनुष्य कहीं हाशिये पर चला गया है, उसके लिए युद्ध का अर्थ है महँगाई, बेरोजगारी और असुरक्षा और व्यापार का अर्थ है अनिश्चितता, असमानता और प्रतिस्पर्धा का दबाव, फिर भी आशा पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है क्योंकि इतिहास साक्षी है कि अति–व्यापारिक सोच और निरंतर संघर्ष अंततः स्वयं को ही क्षति पहुँचाते हैं, यदि विश्व को दीर्घकालिक शांति और स्थिरता चाहिए तो उसे यह समझना होगा कि व्यापार साधन है लक्ष्य नहीं और सुरक्षा शक्ति से अधिक विश्वास से आती है, सामरिक सोच में मानवीय विवेक और वैज्ञानिक प्रगति में नैतिकता का समावेश ही इस दौर की सबसे बड़ी आवश्यकता है, अन्यथा यह दुनिया रिश्तों के अभाव में केवल सौदों की मंडी बनकर रह जाएगी जहाँ हर सौदा अस्थायी होगा और हर शांति अगले युद्ध की भूमिका।

नेवता

डॉ० प्रदीप चित्रांशी

आधुनिकता की चादर ओढ़े,असंस्कृति रथ पर सवार, आज का समाज घोड़े की लगाम अपने अहं को पकड़ाकर कहाँ जाना चाहता है, शायद वह खुद भी उससे अनभिज्ञ है। वह अतीत के खुशनुमा बन्धन से नजरें चुराकर एकाकी परिवार से एकाकी जीवन के लिए खुशियाँ तलाशने में इतना मशगूल हो चुका है कि अगल–बगल की दुनिया में क्या हो रहा है, उससे वह एकदम अनभिज्ञ है। उसकी यही अनभिज्ञता उसे लैपटॉप, टीवी, मोबाइल आदिक आधुनिक यन्त्रों के करीब लाने में सहायक का काम करते हैं। इनके करीब आते ही वह धीरे–धीरे आभाषी दुनिया में इस कदर खो गया कि यथार्थ की दुनिया के रिश्तों की मधुरता को ही शनैः शनैः भूलता चला जा रहा है, जिसका परिणाम यह रहा कि हर हाथ को मोबाइल से इश्क हो गया और सामाजिक बन्धनों में शिथिलता दिखाई देने लगी। इस शिथिलता को दूसरे शब्दों में कह सकते है कि सामजिक बन्धनों की धड़कनों को मोबाइल वार्ता से समझने का नया दौर आ चुका है। आपस में मिलना–जुलना, संवाद स्थापित करना एक दुरुह कार्य सा लगने लगा है लेकिन इस दौर में भी पार्टियाँ, सभाएँ, गोष्ठियाँ, सामाजिक कार्यों का आयोजन संस्थाओं या व्यक्तिगत स्तर पर होता रहता है। आयोजन में नात–बात, मित्र एवं विषय विशेषज्ञ को बुलाने की प्रथा अब भी प्रचलित है। मेहमान को आमन्त्रित करने के लिए मेजबान उन्हें न्यौता भेजता है।

न्यौता क्या है?आइए, पहले इस पर विचार करते हैं। 'न्यौताश शब्द संस्कृति के 'निमन्त्रणश शब्द से आया है जिसे अवधी, बृज, मैथली तथा अन्य लोकभाषाओं ने इस तरह अपना लिया है कि यह उन्हीं का अंग लगने लगा है। 'निमन्त्रणश का अर्थ है कृ"किसी कार्यक्रम या अवसर में शामिल होने के लिए बुलावा।ष पंजाबी में इसे न्योंदा और नेंदा, उर्दू में इसे नेवता कहते हैं, जिसका मतलब होता है दावत। दावत अर्थात किसी भोजन या धार्मिक, सामाजिक और पारिवारिक आयोजन में शामिल होने के लिए आमन्त्रित करना। बुलावाकृ किसी को किसी जगह पर पूजा–पाठ या सामाजिक अनुष्ठान में कार्य हेतु बुलाना। तोहफा या उपहार कृ वह धन जो शुभ अवसरों पर इष्ट–मित्र के घर आदरपूर्वक भेजा जाता है।

निमन्त्रण या दावत में आमन्त्रित करने के लिए हस्तलिखित या छपा हुआ पत्र भेजा जाता है, जिसे दावतनामा या निमन्त्रण–पत्र कहते हैं। दावतनामा फारसी और अरबी मूल का शब्द है। जिसमें 'दावतश का मतलब भोज या बुलावा और 'नामाश का अर्थ 'पत्रश होता है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि किसी कार्यक्रम के लिए लिखित दस्तावेज जिसमें कार्यक्रम से सम्बन्धित सभी जानकारी होती है। पुराने समय में दावतनामा पहुँचाने का कार्य नाई या विशेष पत्रवाहक करते थे। रिस्तेदारी में दावतनामा के साथ खघसतौर से हिन्दुओं में हल्दी की गाँठ, चावल अक्षत, मीठा और अनुरोध या कुशलक्षेम के लिए एक अलग से पत्र होता था। पत्रवाहक जब दावतनामा लेकर रिश्तेदारों या मित्रों के घर जाता था,उसके रुकने या खाने–पीने की व्यवस्था जिसके घर वह जाता था, वही लोग करते थे। लौटते समय कार्यक्रम में शामिल होने का सहमति–पत्र या स्वीकृतिनामा भेजते थे। मेहमान की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद मेजबान उनके रहने–खाने की व्यवस्था यथाशक्ति अनुसार करता था। दूरियों के बावजूद भी यह पत्र सम्बन्धों में आत्मीयता की मिठास को जिन्दगी देने में अहम भूमिका निभाते थे। समय बदला, पत्रवाहक डाकिया बन गये लेकिन सबकुछ वैसा ही चलता रहा, जैसे पहले चलता था।

सगे सम्बन्धियों के घर की दूरी ज्यों की त्यो रही लेकिन ट्रेन, बस, कार ने इस दूरी को इतना घटा दिया कि दूर रहते हुए भी दूर नहीं लगते हैं। इसका सुखद परिणाम यह हुआ कि आपस में मिलना–जुलना बढ़ गया। डाकिया की जगह कुछ लोग स्वयं ही दावतनामा लेकर जाने लगे। आपसी संवाद बढ़ा लेकिन मेहमान को पहचानने वाले गाँव और मुहल्लों में लोग कम हो गये। कम होने का कारण पत्रवाहक की भूमिका का नगण्य होना भी है। साधन उपलब्ध होने से मिलने–जुलने का सिलसिला बढ़ा लेकिन एक दूसरे के घर पर ठहरने के दिन कम हो गये। वक्त बदलता रहा, सोच बदलती रही, नये दौर की नई कहानी मोबाइल के माध्यम से लिखी जाने लगी। डिजिटल दावतनामा का इजाद हुआ। डिजाइन किए गये डिजिटल कार्ड या निमन्त्रण–पत्र, जिसमें कार्यक्रम की जानकारी(कब, कहाँ, क्या) होती है। उसे व्हाट्सअप, मैसेज, एस एम एस, ई–मेल के द्वारा भेजा जाने लगा है। भेजने के बाद मोबाइल से वार्ता कर,कार्यक्रम से संबंधित सूचना भी देते हैं साथ ही साथ स्वीकृति भी लेते हैं। यकधिनन हर हाथ में मोबाइल आ जाने से जिन्दगी जीने का अन्दाज बदल गया है। अब न नाई की जरूरत है, न डाकिये की। एकाकी परिवार की खुशियाँ भौतिक संसाधनों के इर्द–गिर्द घूमने लगी हैं। निमन्त्रण में आत्मीयता की सुगन्ध धीरे–धीरे लुप्त होती जा रही है और दिखावेपन का भाव शनैः शनैः अपना स्थान बनाता जा रहा है। दावतनामा अब भी छपते हैं जिसे कोरियर से संबंधी के पास भेज दिया जाता है मगर इसकी तादाद कम होती है,ज्यादातर डिजिटल कार्ड भेजा जाता है। डिजिटल कार्ड भेजने के बाद मोबाइल पर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की जाती है।

वर्तमान में स्वयं को अधिक व्यस्त बताते हुए और रिश्तों की मधुरता को इग्नोर करते हुए, डिजीटल कार्ड भेजते हैं लेकिन फोन नहीं करते हैं। फोन न करने से मेहमान या संबंधी को यह पता नहीं चलता कि कार्यक्रम में उसकी भूमिका क्या है। साहित्यिक और सामाजिक क्षेत्र के अलावा शादी–ब्याह में भी धीर –धीरे यही नियम लागू हो रहा है। सामाजिक और साहित्यिक कार्यक्रम में बहुत से लोग बिना अपनी भूमिका जाने ही शिरकत करते हैं। इनके विषय में मात्र इतना कहा जा सकता है कि यह लोग मात्र अपना खालीपन दूर करने के लिए आते हैं।

सच तो यह है कि इस प्रकार मेजबान के द्वारा मेहमान का अपमान होता है। इसे मेहमान को भी समझना चाहिए। अगर मेहमान इस बात को नहीं समझेंगे तो आने वाले दिनों में दावतनामा कब्र में दफ्न हो जाएँगे तथा दावत के मायने या अर्थ बदल जाएँगे।।

एक भयावह त्रासदी की बाकी है कसक

प्रेम शुक्ल

मंडी डबवाली में 23 दिसंबर 1995 को विश्व की भयावह अग्नि त्रासदी घटित हुई थी। ऐसा हर हादसा उस दुर्भाग्यपूर्ण अग्निकांड के जख्म हरे कर देता है। इसमें चंद मिनटों में 442 लोग काल का ग्रास बन गये। जिनमें ज्यादातर स्कूली बच्चे थे। देश में आग लगने की त्रासदियों की लंबी फेहरिस्त है जो क्रम अभी भी जारी है। वजह है जागरूकता की कमी। कारण जानने के बावजूद सबक नहीं लिये जाते। बचाव उपायों पर अमल होना जरूरी है। पीड़ितों के प्रति तंत्र की बेरुखी भी कम नहीं। हालांकि असल जरूरत अग्नि सुरक्षा को बतौर 'संस्कार' अपनाने की है। डबवाली अग्नि त्रासदी के उस काले दिन से लेकर हाल में गोवा में आग की दुर्घटना तक, हर बार जब किसी बड़े हादसे की खबर सामने आती है, भीतर के जख्म पुनरू ताजा हो उठते हैं। वह 23 दिसंबर 1995 का दिन आज भी स्मृतियों में सुलगता है। जब राजीव मैरिज पैलेस में आयोजित डीएवी स्कूल के भव्य पारितोषिक वितरण समारोह में शॉट सर्किट से विश्व की भयावह अग्नि त्रासदी घटित हुई। चंद मिनटों में 442 लोग काल का ग्रास बन गये। यह सिर्फ आंकड़ा नहीं था, बल्कि डबवाली शहर की लगभग एक प्रतिशत आबादी की बर्बादी थी।

सिर्फ यादें रह गईं

धारावाहिक लघु उपन्यास (भाग –7)

लेखिका – अतिया नूर

शेखर का व्यवहार मेरे समझ से बाहर था। गुस्सा इतना कि सहना मुश्किल, हाथ तोड़ देना और फिर उसके बाद अच्छे से अच्छे इलाज का बंदोबस्त करना...

यही तो हुआ था। समीर के हाथ में फ्रैक्चर को लेकर शेखर परेशान हो उठे

और इलाज के लिए उसको शहर के

सबसे बड़े और अच्छे डॉक्टर के पास ले गए, सही इलाज मिलने से धीरे–धीरे उसकी चोट ठीक हो गई, चोट तो ठीक हो गई लेकिन उसके निशान हमेशा के लिए समीर के जिस्म के साथ दिल और दिमाग पर ऐसे बने कि मिटाने से भी नहीं मिटे।

अक्सर जब वो हमसे नाराज होता तो बहुत गुस्से में या रोते हुए ये बातें हमें याद दिलाता कि– मेरे साथ ऐसा हुआ, आप लोगों ने मेरे साथ ऐसा किया था, बहुत शिकायतें थीं उसकी, लेकिन उस समय हम समझ ही कहां सके थे उसकी शिकायतों में छुपे दर्द को, और हमें ये बात

समझने में बहुत देर लग गई कि उसके जिस्म पर लगी चोटों ने रफ्ता–रफ्ता

उसके मन मस्तिष्क में भी ऐसे घाव बना दिए थे कि वो बच्चा उन चोटों को सहने की शक्ति खो बैठा है और बगावत पर उतर आया है।

समीर की पढ़ाई बहुत हद तक चौपट हो चुकी थी, आए दिन स्कूल से उसकी शिकायत मिलना आम बात हो गई थी। क्लास के बच्चों के लिए वो एक प्रॉब्लम चाइल्ड की शक्ल लेता जा रहा था, जिसकी वजह से उसकी क्लास के बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ने लगा था। हम बहुत तनावग्रस्त थे

लेकिन हमें समस्या का समाधान नजर ही नहीं आ रहा था। समीर की क्लास टीचर ने हमसे कई बार समीर की काउंसलिंग कराने की बात की, शायद वो समझ रही थीं कि इस बच्चे को प्यार–दुलार के साथ– साथ किसी विशेषज्ञ की जरूरत है लेकिन इस मर्म को समझता कौन? शेखर से मैं कुछ कह नहीं सकती थी क्योंकि मैं जानती थी कि वो मेरी बात कभी नहीं सुनेंगे और अगर उन्होंने भूले से मेरी बात सुन भी ली तो मानेंगे नहीं, होगा वही जो वो चाहेंगे। मेरे सामने दो जिद्दी व्यक्ति थे, एक तरफ जिद्दी बाप, जिसके अपने उसूल थे, जिसने मुझसे बहुत पहले ही कह दिया था कि " डंडे की मार से बड़े–बड़े भूत भी भागते हैं, तो दूसरी तरफ दर्द और आक्रोश से बिगड़ता हुआ मेरा बेटा।

मैं जानती थी कि कोई भी पिता अपने पुत्र का अहित नहीं करना चाहता लेकिन ये भी तो सच है कि अगर किसी कारणवश बच्चे बिगड़ रहे हैं तो माता–पिता का ही कर्तव्य है कि वो अपने तरीकों और उसूलों की जाँच–परख करें और समय की मांग के अनुसार अपने घर–परिवार की भलाई के लिए बदलाव की प्रक्रिया को अहमियत दें। निःसन्देह शेखर समीर को सुधारना चाहते थे लेकिन उस बागी किशोर ने अब अपने पिता की बातें मानना बिल्कुल बंद ही कर दिया था, धीरे–धीरे घर का सुख चौन खत्म होता जा रहा था और घर में एक अजीब से तनाव ने बसेरा बना लिया था।

उस दिन जब समीर स्कूल से घर लौटा तो मैं उसके मासूम से चेहरे को देखती ही रह गई। तीखे नैन–नक्श वाला, गोरा चिट्टा राजकुमारों जैसा उसका खूबसूरत चेहरा धूप की तपिश में और भी दमक रहा था, मैं देर तक अपने किशोर होते बच्चे को निहारती रही, फिर मुझे ये डर सताने लगा कि कहीं उस बच्चे को मेरी नजर ना लग जाए, सो मैंने उसे अपलक निहारना बंद कर दिया और उसके लिए खाना परोसने लगी, लेकिन ये क्या? समीर ने गुस्से में आकर खाने की थाली उठाकर फेंक दी, मैं हतप्रभ सी खड़ी रह गई!

जब वो थोड़ा शांत हुआ तो मैंने उससे पूछा कि आखिर हुआ क्या है? वो इतने गुस्से में क्यूँ है? बहुत पूछने पर उसने बताया कि आज होमवर्क पूरा नहीं होने की वजह से टीचर ने उसकी पिटाई कर दी।

मैं उसके गुस्से को शांत करने की कोशिश करती रही और उसे समझाती रही कि– कोई बात नहीं, टीचर तुम्हारे भले के लिए तुम्हें सजा देते हैं, इस बात को तुम सकारात्मक रूप से स्वीकार करो, लेकिन वो बागी किशोर मेरी बातों को सुनी–अनसुनी करता रहा, फिर बड़े भोलेपन से सवाल कर बैठा– मम्मा, क्या मैं मार खाने के लिए ही पैदा हुआ हूँ?

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

जग में केवल दो रहे, मानव दानव जान।
कर्म करे अच्छे बुरे, होती है पहचान।।
होती है पहचान, वही मैं तुझे बताऊँ।
मानवता का पाठ, चलो अब तुझे सुनाऊँ
कहती रचना आज, चुभे है कंटक पग में।
चलना हमको राह,साथ ऐसे ही जग में।।

सेवा माँ की कीजिए, और पिता का ध्यान।
गुरु से मिलता ज्ञान है, उनको दें सम्मान।।
उनको दें सम्मान, यही हो जीवन अपना।
आए जो तूफान, आग में केवल तपना।
कहती रचना आज, मिलेगी उसको मेवा।
पिता देव गुरु मान,करे जो माँ की सेवा।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

13 साल की उम्र में शुरू किया करियर, जानें कौन है जिसने 'मिर्जापुर' में 'भाभी' बनकर जीता दिल...

> ईशा तलवार २२ दिसंबर को अपना ३८वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर जानते हैं उनके करियर से जुड़े कुछ दिलचस्प किस्से। ईशा तलवार फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता विनोद तलवार बॉलीवुड के मशहूर प्रोड्यूसर बोनी कपूर के साथ एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर काम कर चुके हैं।

फिल्म इंडस्ट्री में कई सितारे ऐसे हैं जिन्होंने बेहद कम उम्र में अपने करियर की शुरुआत की और मेहनत के दम पर खास पहचान बनाई। ऐसी ही एक एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने महज 13 साल की उम्र में बॉलीवुड में कदम रखा, साउथ सिनेमा में नाम कमाया और फिर वेब सीरीज 'मिर्जापुर' में 'भाभी' बनकर दर्शकों के दिलों पर छा गईं। हम बात कर रहे हैं एक्ट्रेस ईशा तलवार की। ईशा तलवार 22 दिसंबर को अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर जानते हैं उनके करियर से जुड़े कुछ दिलचस्प किस्से। ईशा तलवार फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता विनोद तलवार बॉलीवुड के मशहूर प्रोड्यूसर बोनी कपूर के साथ एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर काम कर चुके हैं। एक्टिंग के साथ–साथ ईशा एक बेहतरीन डांसर भी हैं। बचपन में उन्होंने कोरियोग्राफर टेरेंस लुईस के डांस स्कूल से जैज, हिप–हॉप और साल्सा जैसी डांस फॉर्म्स सीखी हैं। ईशा ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। उन्होंने अनिल कपूर की फिल्म 'हमारा दिल आपके पास है' में बचपन में काम किया था। हालांकि, बतौर लीड एक्ट्रेस उन्हें पहला बड़ा ब्रेक साउथ सिनेमा में मिला। साल 2012 में आई मलयालम फिल्म 'थट्टाथिन मरायथु' से ईशा ने धमाकेदार डेब्यू किया। इस फिल्म के लिए उन्हें एसआईआईएमए अवॉर्ड (बेस्ट फीमेल डेब्यू) से भी नवाजा गया। इसके बाद उन्होंने तेलुगु, तमिल और मलयालम फिल्मों में लगातार काम कर साउथ इंडस्ट्री में मजबूत पहचान बनाई। हिंदी सिनेमा में ईशा सलमान खान की फिल्म 'ट्यूबलाइट' में नजर आईं। इसके बाद उन्होंने कालाकांडी, आर्टिकल 15 और कामयाब जैसी फिल्मों में अहम भूमिकाएं निभाईं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें वह पहचान नहीं मिल पाई जिसकी उन्हें तलाश थी। साल 2020 में आई वेब सीरीज 'मिर्जापुर सीजन 2' ईशा तलवार के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। इस सीरीज में उन्होंने 'माधवी भाभी' का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब प्यार दिया। इस रोल के बाद ईशा रातों–रात चर्चा में आ गईं और उनकी इमेज पूरी तरह बदल गई। हाल ही में ईशा कुणाल खेमू की वेब सीरीज 'सिंगल पापा' में भी अहम भूमिका निभाती नजर आईं, जहां उनके अभिनय को सराहा गया। साउथ से लेकर बॉलीवुड और ओटीटी तक, ईशा तलवार ने हर प्लेटफॉर्म पर अपनी एक्टिंग से साबित किया है कि मेहनत और टैलेंट के दम पर पहचान जरूर मिलती है।

रणवीर सिंह स्टारर धुरंधर पर आया कंगना का दिल, कहा– सभी ने क्या शानदार काम किया है!

देश में हर तरफ श्धुरंधरश के ही चर्चे हैं। सोशल मीडिया से लेकर बॉक्स ऑफिस तक रणवीर सिंह की फिल्म अपना ही जलवा बिखेर रही है। रिलीज के 15 दिनों के अंदर इसने 800 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। आम लोगों से लेकर सेलेब्स तक श्धुरंधरश की तारीफ करते नहीं थक रहे। वहीं, हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने भी यह फिल्म देखी और इसके बाद अपना रिव्यू भी दिया। कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर धुरंधर की तारीफ करते हुए लिखा, मैंने धुरंधर देखी और मुझे बहुत पसंद आई। इस आर्ट और क्राफ्ट के मास्टरपीस से मैं बहुत प्रभावित हुई हूं, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो फिल्म निर्माता के इरादे की मैं बहुत प्रशंसा करती हूं। डियर आदित्य धर जी बॉर्डर पर हमारे डिफेंस फोर्सेस, सरकार में हमारे मोदी जी और बॉलीवुड सिनेमा में आप, खूब कम्बल कुटाई करो इन पाकिस्तानी आतंकवादियों की, मजा आ गया। देखते वक्त बस सीटियां और ताली बजाती रही। सभी ने क्या शानदार काम किया है। लेकिन, इस शो के धुरंधर खुद आदित्य धर हैं। बहुत–बहुत बधाई यामी गौतम। बता दें, रणवीर सिंह स्टारर धुरंधर 5 दिसंबर को पर्दे पर रिलीज हुई है। इसमें रणवीर के अलावा अक्षय खन्ना, आर माधवन, सारा अर्जुन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और राकेश बेदी जैसे कलाकार भी अहम भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म में अक्षय खन्ना के रहमान डकैत के किरदार को भी खूब पसंद किया जा रहा है।

बीएनआई एन ई डब्ल्यू दिल्ली द्वारा टीएपी-नेटवर्क टू अबंडन्स 2025 का भव्य समापन, जानें उद्देश्य

बीएनआई एन ई डब्ल्यू दिल्ली द्वारा आयोजित टीएपी नेटवर्क टू अबंडन्स 2025 का चौथा संस्करण 19 और 20 दिसंबर 2025 को यशोभूमि (आईआईसीसी), द्वारका में भव्य सफलता के साथ संपन्न हुआ। यह दो दिवसीय आयोजन भारत के सबसे बड़े और प्रभावशाली बिजनेस नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म्स में से एक के रूप में उभरा। इस अवसर पर 29 बीएनआई क्षेत्रों से 300 से अधिक प्रदर्शकों और सदस्यों की भागीदारी रही, वहीं 8,000 से अधिक आगंतुकों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यह आयोजन बीएनआई एन ई डब्ल्यू दिल्ली के 10 वर्षों के सफर का भी उत्सव था, जो रेफरल–आधारित और संबंधों पर केंद्रित व्यवसायिक विकास को बढ़ावा देता रहा है। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन माननीय गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय संस्कृति मंत्री, भारत सरकार द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। अपने संबोधन में उन्होंने उद्यमिता, सहयोग और मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क्स की भूमिका को रेखांकित किया, जो भारत की आर्थिक प्रगति को गति देने और नए उद्यमों को सशक्त बनाने में सहायक हैं। पहले दिन उच्च–स्तरीय नेटवर्किंग सत्र, मुख्य वक्तव्य, पुरस्कार समारोह और क्यूरेटेड बिजनेस मीटिंग्स आयोजित की गईं, जिनके माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों के उद्यमियों को दीर्घकालिक और सार्थक साझेदारियां बनाने का अवसर मिला। इन प्रयासों का ठोस परिणाम सामने आया, जब दो दिनों के संरचित नेटवर्किंग सत्रों के माध्यम से 113 करोड़ रुपये से अधिक का व्यवसाय संपन्न हुआ। दिन का समापन प्रसिद्ध गायक पलाश सेन (यूफोरिया) की लाइव प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसने उत्सव का माहौल और प्रतिनिधियों के बीच आपसी सौहार्द को और मजबूत किया। दूसरे दिन भी कार्यक्रम की गति बनी रही। इसमें ग्रोथ, सहयोग और राष्ट्र–निर्माण जैसे विषयों पर गहन चर्चा के लिए कीनोट सेशंस, राउंडटेबल चर्चाएं और लीडरशिप संवाद आयोजित किए गए। 'बिल्डिंग इंडिया कॉन्क्लेव' और 'सेलिब्रेटिंग इंडिया कॉन्क्लेव' के दौरान विशिष्ट अतिथियों ने भारतीय उद्यमिता और स्टार्टअप इकोसिस्टम के उज्ज्वल भविष्य पर अपने विचार साझा किए। इस दिन के प्रमुख वक्ता स्वामी गौर गोपाल दास ने आध्यात्मिकता, व्यक्तिगत विकास और व्यवसाय व जीवन में मानवीय संबंधों के महत्व पर अपने प्रेरक विचारों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की सफलता पर बोलते हुए, बीएनआई इंडिया के डिस्ट्रिक्ट डायरेक्टर और बीएनआई एन ई डब्ल्यू दिल्ली के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, सुनील के. ने कहा, "टीएपी नेटवर्क टू अबंडन्स 2025 इस बात का जीवंत उदाहरण है कि जब उद्यमी प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग को प्राथमिकता देते हैं, तो क्या–क्या संभव हो सकता है। पिछले दो दिन बेहतरीन कनेक्शंस, महत्वपूर्ण सीख और ठोस व्यावसायिक अवसरों से भरपूर रहे। बीएनआई एन ई डब्ल्यू दिल्ली के 10 वर्षों का यह उत्सव भारत में एक मजबूत, विश्वसनीय और भविष्य के अनुरूप उद्यमी इकोसिस्टम के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करता है। दो दिवसीय आयोजन का समापन कैलाश खेर और उनके कैलाश बैंड की जोशीली लाइव प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसके बाद मूनलाइट डिनर और डीजे नाइट का आयोजन किया गया। साझेदारी, नेतृत्व और स्थिरता पर केंद्रित यह आयोजन उद्यमिता के एक यादगार उत्सव के रूप में संपन्न हुआ और भारत के भविष्य–तैयार बिजनेस इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में बीएनआई एन ई डब्ल्यू दिल्ली की प्रतिबद्धता को और आगे बढ़ाया।

दृश्यम 3 की रिलीज डेट का हुआ ऐलान! अजय देवगन ने कहा– अभी आखिरी हिस्सा बाकी है, रोंगटे खड़े कर देगा फिल्म का प्रोमो

दृश्यम 3 की रिलीज़ डेट फिल्म के मेकर्स ने कन्फर्म कर दी है, इस फ्रेंचाइजी का बेसब्री से इंतज़ार किया जा रहा अगला चौप्टर 2 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगा। गुरुवार को की गई घोषणा में बताया गया कि प्रोडक्शन चल रहा है, और फैंस को जाने–पहचाने चेहरों की वापसी की उम्मीद है क्योंकि कहानी सीरीज़ की तय टाइमलाइन के हिसाब से आगे बढ़ेगी। अजय देवगन दृश्यम यूनिवर्स के मुख्य किरदार विजय सलगांवकर के रूप में अपनी भूमिका दोहरा रहे हैं। एक्टर का यह किरदार भारतीय सिनेमा में श्फैमिली थ्रिलरश जॉनर से गहराई से जुड़ गया है। 2 अक्टूबर इस सीरीज़ के लिए एक खास तारीख है, जिसे फैंस अक्सर श्दृश्यम डेश कहते हैं, क्योंकि पिछली फिल्मों में इसका बहुत महत्व था। एक नए प्रोमो में घोषणा की गई है कि दृश्यम 3, पार्ट 2 के बड़े पर्दे पर आने के चार साल बाद, 2 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। अजय देवगन विजय सालगांवकर के रूप में अपनी भूमिका निभाएंगे। तब्बू, श्रिया सरन और रजत कपूर की भी वापसी की घोषणा की गई है, जबकि इशिता दत्ता और मृणाल जाधव, जो अजय के बच्चों का किरदार निभा रहे हैं, वे भी वापस आएंगे। अभी तक इस बारे में कोई खबर नहीं है कि अक्षय खन्ना, जिन्होंने दृश्यम 2 में एक पुलिस वाले का किरदार निभाया था, वह फिल्म का हिस्सा हैं या नहीं। ट्रेलर पर एक आधिकारिक बयान 2026 में कभी भी आने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग फिलहाल चल रही है और अगले साल के पहले हाफ में इसके खत्म होने की उम्मीद है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर रिलीज़ डेट की घोषणा करते हुए प्रोमो शेयर किया। कैप्शन में लिखा था, दृश्यम 3 दृश्यमडे पर। आखिरी हिस्सा बाकी है। 2 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में। दृश्यम 3 की शूटिंग फिलहाल चल रही है और यह कई शहरों में अलग–अलग जगहों पर हो रही है। प्रोडक्शन टीम ने कन्फर्म किया है कि इस बार फिल्म का स्केल बढ़ाने की कोशिश की जा रही है।

एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान बुरी तरह घायल हुए इमरान हाशमी, सफल सर्जरी के बाद जारी रखेंगे काम

बॉलीवुड के चर्चित और रोमांटिक हीरो इमरान हाशमी एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई रिलीज या बयान नहीं बल्कि शूटिंग के दौरान लगी गंभीर चोट है। हाल ही में सामने आई जानकारी के मुताबिक, इमरान अपनी आने वाली फिल्म 'आवारापन 2' की शूटिंग के दौरान बुरी तरह घायल हो गए थे। हालांकि, इलाज और सर्जरी के बाद अब वो दोबारा काम पर लौटने को तैयार हैं। दरअसल, इमरान हाशमी राजस्थान में अपनी अपकमिंग फिल्म 'आवारापन 2' की शूटिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक हाई–इंटेंस एक्शन सीन फिल्माते वक्त उनके पेट के टिश्यू फट गए, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई। इसके बाद उन्हें तुरंत मेडिकल ट्रीटमेंट दिया गया और सर्जरी करनी पड़ी। राहत की बात यह रही कि ऑपरेशन सफल रहा।सर्जरी के बाद डॉक्टरों ने इमरान को कुछ दिनों तक पूरी तरह आराम करने की सलाह दी थी, लेकिन एक्टर ने फिल्म के शेड्यूल को ध्यान में रखते हुए शूटिंग जारी रखने का फैसला किया। उनका मानना था कि अगर वे लंबा ब्रेक लेते हैं, तो इससे फिल्म की पूरी टीम और प्रोजेक्ट को नुकसान हो सकता है। इतने बड़े ऑपरेशन के बाद भी उन्होंने शूटिंग रोकने के बजाय काम जारी रखने को चुना, ताकि फिल्म की टाइमलाइन प्रभावित न हो। यह फैसला उनके फैंस और इंडस्ट्री दोनों के लिए काबिले–तारीफ है। गौरतलब है कि 'आवारापन 2' साल 2007 में आई सुपरहिट फिल्म 'आवारापन' का आधिकारिक सीक्वल है, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। पहले पार्ट की लोकप्रियता को देखते हुए फैंस लंबे समय से इसके दूसरे हिस्से का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में इमरान हाशमी के साथ दिशा पाटनी अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिलहाल मेकर्स ने रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया है, लेकिन दर्शकों की एक्साइटमेंट साफ तौर पर देखने को मिल रही है।

धूप से भी ज्यादा स्किन को नुकसान पहुंचा सकती हैं ये चीजें

अगर आप बहुत ज्यादा जंक या शुगरी फूड लेते हैं तो इससे स्किन के कोलेजन और इलास्टिन को नुकसान पहुंचता है। साथ ही, स्किन बेजान लगती है और मुंहासे और सूजन बढ़ सकती है। इसलिए, बार–बार जंक फूड और मीठे ड्रिंक्स पीने से त्वचा रोजाना धूप में रहने से भी ज्यादा तेजी से बूढ़ी हो सकती है।

अक्सर लोग कहते हैं कि स्किन के लिए सूरज बहुत अधिक नुकसानदायक है। इसकी वजह से ना सिर्फ टैनिंग बल्कि डलनेस व अन्य भी कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। कुछ हद तक यह सच भी हैं। लेकिन सिर्फ सूरज से ही स्किन को नुकसान नहीं होता है, बल्कि ऐसी भी कुछ चीजें होती हैं, जो सूरज से ज्यादा स्किन को डैमेज कर सकती है और इसका हमें पता तक नहीं चलता। यही वजह है कि सूरज में कम समय बिताने के बाद भी बहुत से लोगों की स्किन डल हो जाती है या फिर उन्हें एक्ने या पिगमेंटेशन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आपको शायद अंदाजा ना हो, लेकिन देर रात तक जागना, घंटों स्क्रीन देखना, स्ट्रेस में खाना, पानी पीना भूल जाना, या एक साथ बहुत सारे स्किनकेयर प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करना, ये सभी चीजें आपकी स्किन को काफी डैमेज कर सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में बता रहे हैं, जो आपकी स्किन को सूरज की किरणों से भी ज्यादा नुकसान पहुंचा सकती हैं–

देर रात तक जागना

अक्सर अधिकतर लोग देर रात तक जागते हैं या फिर अच्छी नींद नहीं लेते हैं, जिसकी वजह से उनकी स्किन डल नजर आती है। आपको शायद पता ना हो, लेकिन नींद आपकी स्किन के लिए एक फ्री ओवरनाइट फेशियल की तरह है। जब आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, तो इससे स्किन रिपेयरिंग स्लो हो जाती है या फिर डार्क सर्कल, डल स्किन, थकी हुई और बूढ़ी दिखती है। रेगुलर देर रात तक जागने से आपकी स्किन हल्की धूप लगने से भी ज्यादा तेजी से बूढ़ी हो सकती है।

बहुत ज्यादा जंक फूड खाना

अगर आप बहुत ज्यादा जंक या शुगरी फूड लेते हैं तो इससे स्किन के कोलेजन और इलास्टिन को नुकसान पहुंचता है। साथ ही, स्किन बेजान लगती है और मुंहासे और सूजन बढ़ सकती है। इसलिए, बार–बार जंक फूड और मीठे ड्रिंक्स पीने से त्वचा रोजाना धूप में रहने से भी ज्यादा तेजी से बूढ़ी हो सकती है।

पानी कम पीना

अगर आप पर्याप्त पानी नहीं पीते हैं तो इससे आपकी स्किन डिहाइड्रेटेड हो जाती है। जिससे आपकी स्किन रूखी, पपड़ीदार और थकी हुई दिखती है। इससे स्किन की नेचुरल चमक खत्म हो जाती है और फाइन लाइन्स ज्यादा साफ दिखती हैं। इसलिए, पानी पर्याप्त लें और मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें।

सुबह खाली पेट अखरोट खाने से क्या होता है? जानिए कौन-कौन सी बीमारियां होती है दूर

अखरोट सबसे फायदेमंद सूखे मेवों में से एक माना जाता है। अगर इसे रोजाना सही मात्रा में खाया जाए, खासकर सुबह खाली पेट, तो यह शरीर को कई गंभीर बीमारियों से बचाने में मदद कर सकता है। अखरोट न सिर्फ दिमाग बल्कि दिल, पेट और हड्डियों के लिए भी बेहद लाभकारी होता है।

अखरोट में पाए जाने वाले पोषक तत्व

अखरोट पोषण का पावरहाउस माना जाता है क्योंकि इसमें शरीर के लिए जरूरी कई पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें प्रोटीन और फाइबर मौजूद होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देने और पाचन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। अखरोट में हेल्दी फैट्स और ओमेगा–3 फैटी एसिड होते हैं, जो दिल और दिमाग की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। इसके अलावा इसमें विटामिन बी6 और फोलेट, साथ ही मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, कॉपर और मैंगनीज जैसे मिनरल्स भी पाए जाते हैं। इन्हीं पोषक तत्वों की वजह से अखरोट को सुपरफूड की श्रेणी में रखा जाता है।

अखरोट खाने के जबरदस्त फायदे

डायबिटीज को करता है कंट्रोल

अखरोट में कार्बोहाइड्रेट कम और फाइबर ज्यादा होता है। इसके साथ ही इसमें मौजूद हेल्दी फैट्स ब्लड शुगर लेवल को संतुलित रखते हैं। नियमित सेवन से इंफ्लेमेशन कम होती है और डायबिटीज को मैनेज करने में मदद मिलती है।

दिमाग को बनाता है तेज

अखरोट का आकार दिमाग जैसा होता है और इसका असर भी दिमाग पर ही पड़ता है। इसमें मौजूद अल्फा लिनोलेनिक एसिड ब्रेन फंक्शन और याददाश्त को मजबूत करता है। यह ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम कर मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाता है।

रक्त धमनियों को रखता है स्वस्थ

अखरोट में मौजूद कॉपर रक्त धमनियों को मजबूत बनाता है। इससे नर्व डैमेज का खतरा कम होता है और इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है

हड्डियों के लिए फायदेमंद

मैंगनीज से भरपूर अखरोट हड्डियों के विकास और मजबूती में मदद करता है। इसके अलावा यह मेटाबॉलिज्म को भी बेहतर बनाता है।

कैंसर का खतरा करता है कम

अखरोट में मौजूद एंटी–ऑक्सीडेंट्स और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण ब्रेस्ट कैंसर, प्रोस्टेट कैंसर और कोलोरेक्टल कैंसर के खतरे को कम करने में सहायक माने जाते हैं।

पेट की सेहत सुधारता है

अखरोट में सोल्यूबल और इनसोल्यूबल फाइबर दोनों होते हैं, जो गट हेल्थ को बेहतर बनाते हैं। इससे कब्ज, गैस और पाचन संबंधी समस्याएं कम होती हैं।

दिल को रखता है स्वस्थ

ओमेगा–3 फैटी एसिड से भरपूर अखरोट दिल की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, सूजन घटाता है और हार्ट अटैक के खतरे को कम करने में मदद करता है।

एक दिन में कितने अखरोट खाने चाहिए?

दिन में 20 से 28 ग्राम अखरोट खाना पर्याप्त होता है। यानि लगभग 7 से 14 आधे अखरोट।

जरूरत से ज्यादा अखरोट खाने से वजन बढ़ना या पेट की दिक्कत हो सकती है।

सुबह खाली पेट अखरोट कैसे खाएं?

रात में 2:4 अखरोट पानी में भिगो दें

सुबह खाली पेट इन्हें अच्छे से चबाकर खाएं

इस तरह खाने से शरीर को ज्यादा फायदे मिलते हैं।

अखरोट भिगोकर खाने के फायदे

भिगोए हुए अखरोट खाने से इनमें मौजूद फाइटिक एसिड कम हो जाता है।

जिससे पोषक तत्वों का अवशोषण बेहतर होता है।

अखरोट पचाने में आसान हो जाता है।

पेट पर भारीपन नहीं पड़ता।

आंवला जूस का स्वाद पसंद नहीं आ रहा? स्वाद बढ़ाकर पीने के 5 आसान और हेल्दी तरीके

लंबे, घने बालों से लेकर ग्लोइंग और टाइट स्किन तक, आंवला संपूर्ण शरीर के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट और मिनरल्स होते हैं। कच्चा आंवला खाने के बजाय उसका जूस पीना ज्यादा लाभकारी होता है, लेकिन कई लोगों को इसका तीखा और कसैला स्वाद पसंद नहीं आता। अगर आप भी आंवला जूस पीना चाहते हैं लेकिन स्वाद के कारण बचते हैं, तो चिंता न करें। यहां हम आपको आंवला जूस पीने के 5 आसान और स्वादिष्ट तरीके बता रहे हैं।

क्लासिक आंवला जूस

सामग्री

आंवला

पानी

शहद या गुड़

विधिः आंवले को धोकर टुकड़ों में काट लें और बीज निकाल दें। अब इन्हें पानी के साथ ब्लेंड करें। तैयार मिश्रण को छानकर गिलास में निकालें और स्वाद के अनुसार शहद या गुड़ मिलाएं। यह क्लासिक आंवला जूस रोजाना पीने के लिए बेहतरीन है।

अदरक और आंवला जूस

सामग्री

आंवला

अदरक

पानी

शहद या गुड़

विधिः आंवला और अदरक को बारीक काटकर थोड़े पानी के साथ ब्लेंड करें। मिश्रण को छान लें और शहद या गुड़ मिलाएं। यह जूस सर्दी–जुकाम, इम्युनिटी और पाचन के लिए फायदेमंद है।

आंवला और पुदीना जूस (।उसं ंदक डपदज श्रनपबम)

सामग्री

आंवला

पानी

पुदीने के पत्ते

शहद या गुड़

विधिः आंवला और ताजे पुदीने के पत्तों को पानी के साथ ब्लेंड करें। मिश्रण को छानकर शहद या गुड़ मिलाएं। यह जूस स्वाद के साथ–साथ पेट को ठंडक भी देता है।

नींबू के साथ आंवला जूस

सामग्री

आंवला

पानी

नींबू का रस

शहद या गुड़

विधिः आंवला को पानी के साथ ब्लेंड कर छान लें। अब इसमें नींबू का रस और शहद मिलाएं। यह जूस वजन घटाने और डिटॉक्स के लिए खास माना जाता है।

केला और आंवला स्मूदी

सामग्री

आंवला

केला

पालक

पानी

शहद

विधिः केला और पालक धोकर काट लें। सभी सामग्रियों को ब्लेंडर में डालकर स्मूद होने तक ब्लेंड करें। छानकर शहद मिलाएं और पोषक तत्वों से भरपूर इस स्मूदी का आनंद लें। अगर आपको आंवला जूस का स्वाद पसंद नहीं आता, तो इन तरीकों से आप इसे स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाकर आसानी से अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। रोजाना सुबह खाली पेट आंवला जूस पीना सेहत, स्किन और बालों के लिए बेहद लाभकारी होता है।

एक बार हाईलाइटर लगाने से पहले जान लें ये जरूरी बातें, तभी खूबसूरत दिखेगा चेहरा

अगर आपको चेहरे पर हाईलाइटर लगाना पसंद है लेकिन वह लगाते ही जरूरत से ज्यादा चमकदार दिखने लगता है, तो कुछ आम गलतियों से बचना जरूरी है। मेकअप आर्टिस्ट करिश्मा के अनुसार, सही ब्रश का चुनाव और लगाने का तरीका बहुत मायने रखता है। सॉफ्ट और फ्लफी ब्रश से हल्के हाथों में हाईलाइटर लगाने पर चेहरा ज्यादा नेचुरल और सॉफ्ट ग्लो देता है। साथ ही, सही जगह पर सीमित मात्रा में हाईलाइटर लगाने से मेकअप ओवर नहीं लगता और चेहरे की खूबसूरती निखरकर सामने आती है। महिलाओं को सबसे ज्यादा श्रृंगार करना बेहद प्रिय होता है। आजकल तो ब्यूटी को एनहान्स करने के लिए तरह–तरह के मेकअप टिप्स को ट्राई किया जाता है। अगर आपको मेकअप करना पसंद है, तो इस चीज का ध्यान रखना बेहद जरुरी है। मेकअप ट्रेंड्स में हाईलाइटर आज का जरुरी पार्ट बन चुका है। इसके बिना फेस भी डल नजर आता है। हाईलाइटर आपके फेस के खास हिस्सों पर चमक बढ़ाता है। जिससे सुंदरता में भी निखार आता है। हालांकि, कुछ लड़कियां हाईलाइटर का गलत इस्तेमाल करती है। जिस वजह से चेहरे की शाइन चली जाती है। अगर आप भी चेहरे की एक्स्ट्रा चमक चाहते हैं, तो इस तरह से चेहरे पर हाईलाइटर का प्रयोग करें।

फ्लैट ब्रश चुनने की गलती ना करें

जब भी आप हाईलाइटर अप्लाई करें तो कभी भी फ्लैट ब्रश का इस्तेमाल ना करें। फ्लैट डिजाइन वाले हाईलाइटर का प्रयोग करनी की गलती ना करें। ध्यान रहे कि हाईलाइटर लगाने के लिए फ्लफी बिग आईशैडो ब्रश का इस्तेमाल करें।

ब्रश पकड़ने का तरीका

अक्सर कुछ लड़कियों को हाईलाइटर ब्रश को गलत तरीके से पकड़ते हैं। हाइलाइटर को स्मूद फिनिश के साथ लगाना है तो हमेशा ब्रश को सही एंगल से पकड़ना जरुरी है। ब्रश को हमेशा सेंटर से पकड़ें, जिससे सही एंगल में हाईलाइटर लगाया जाए।

चिकबोन पर लगाएं

जब भी आप हाईलाइटर लगाएं तो गाल के सही हिस्से को चुनें। आंख के नीचे और गालों के ऊपर जिस जगह पर हड्डी होती है, उसे ही चिकबोन बोलते हैं। सबसे पहले आप ब्रश पर हाईलाइटर को हल्का झटक दें फिर सर्कुलर मोशन में लगाएं। ऐसा करने से आपका फेस नेचुरल ग्लो जैसा दिखेगा।

बड़े फोरहेड पर हाईलाइटर कैसे लगाएं

यदि आपका फेस में फोरहेड बड़ा है तो हमेशा फोरहेड के दोनों साइड पर घुमाते हुए हाईलाइटर लगाते हैं। यदि आपका फोरहेड छोटा है तो सेंटर में लगाना चाहिए।

पूरी नाक पर हाईलाइटर कभी ना लगाएं

इस बात का विशेष ध्यान रखें कि कभी भी हाईलाइटर को पूरी नाक पर ना लगाएं। अगर आपको नेचुरली शाइन जैसा हाईलाइटर का ग्लो चाहिए, तो नाक की टिप और थोड़ा–सा नाक के स्टार्टिंग प्वाइंट यानी दोनों आंख के बीच में नाक पर लगाएं।

संक्षिप्त

Short-Selling के लिए मौजूदा नियामक ढांचे में कोई बदलाव नहीं : SEBI

बाजार नियामक सेबी ने रविवार को स्पष्ट किया कि 'शॉर्ट सेलिंग' के मौजूदा नियामक ढांचे में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह स्पष्टीकरण मीडिया में आई उन खबरों के बाद आया है, जिनमें 'शॉर्ट सेलिंग' ढांचे में बदलाव की बात कही गई थी। ये बदलाव 22 दिसंबर 2025 से लागू होने वाले थे। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक बयान में कहा, ''इस संदर्भ में, सेबी स्पष्ट रूप से कहता है कि शॉर्ट सेलिंग के लिए मौजूदा नियामक ढांचे में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मीडिया ने गलत खबर दी है इसलिए सोमवार से इस ढांचे में किसी भी तरह के बदलाव का सवाल ही नहीं उठता।'' नवंबर में, सेबी के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे ने कहा था कि नियामक जल्द ही शॉर्ट सेलिंग और सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग (एसएलबी) ढांचे की व्यापक समीक्षा करने के लिए एक कार्य समूह का गठन करेगा। वर्ष 2007 में शुरू किया गया शॉर्ट सेलिंग ढांचा, अपनी शुरुआत से ही काफी हद तक अपरिवर्तित रहा है।

रुपया शुरुआती कारोबार में 22 पैसे मजबूत होकर 89.45 प्रति डॉलर पर

विदेशी पूंजी के प्रवाह और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 22 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.45 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कंपनियों के डॉलर में निवेश करने और ब्रेंट क्रूड की कीमतें 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहने से निवेशकों का विश्वास और मजबूत हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.53 पर खुला। फिर थोड़ा

मजबूत होकर 89.45 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 22 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को 53 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.67 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.63 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 210.57 अंक चढ़कर 85,139.93 अंक पर जबकि निफ्टी 154.80 अंक की बढ़त के साथ 26,121.20 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.83 प्रतिशत चढ़कर 60.97 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,830.89 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सोने–चांदी के वायदा भाव चढ़े, ब्याज दरों में कटौती के अनुमान और डॉलर में कमजोरी से तेजी

नई दिल्ली। सोने और चांदी का भाव सोमवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक बार फिर नए हाई की ओर बढ़ गया। बाजार में इस तेजी का कारण डॉलर की कमजोरी और फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती को माना जा रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर फरवरी डिलिवरी वाले सोने का वायदा भाव 1628 रुपये या 1.21 प्रतिशत चढ़कर नए रिकॉर्ड हाई 1,35,824 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। पिछले हफ्ते सोने का यह भाव 574 रुपये या 0.43: बढ़ा था। एमसीएक्स पर चांदी के वायदा भाव में भी जोरदार उछाल देखने को मिला। मार्च 2026 के अनुबंध के लिए चांदी की कीमत में 6,144 रुपये या 2.95 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि दर्ज की गई और यह 2,14,583 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। पिछले सप्ताह इसमें 15,588 रुपये या 8.08 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के कमोडिटीज उपाध्यक्ष राहुल कलांत्री ने कहा, ष्घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों ने सप्ताह की शुरुआत नए ऑल टाइम हाई से की।ष छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 98.60 पर स्थिर बना हुआ था, जिससे सोने की कीमतों को और मजबूती मिली। वैश्विक स्तर पर, फरवरी डिलीवरी के लिए कॉमेक्स गोल्ड फ्यूचर्स में 42 अमेरिकी डॉलर या 0.96 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 4,429.3 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। कॉमेक्स बाजार में मार्च 2026 के चांदी वायदा भाव में 2.04 अमेरिकी डॉलर या 3.02 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे यह विदेशी बाजार में 69.52 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह में धातु के भाव में 5.48 अमेरिकी डॉलर या 8.84 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के कमोडिटी और करेंसी विश्लेषक मानव मोदी ने कहा, षपिछले सप्ताह की तिमाही–बिंदु कटौती के बाद अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में और कटौती की उम्मीदों, सुरक्षित निवेश की निरंतर मांग और डॉलर के कमजोर होने के कारण सोने और चांदी की कीमतें रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गईं और कॉमेक्स बाजार में क्रमशः 4,400 अमेरिकी डॉलर और 70 अमेरिकी डॉलर के करीब पहुंच गईं। मोदी ने आगे कहा कि भू–राजनीतिक और व्यापारिक तनाव, केंद्रीय बैंकों द्वारा भारी मात्रा में सोने की खरीद और अगले साल ब्याज दरों में कमी की उम्मीदों के चलते सोने, जो कि एक पारंपरिक सुरक्षित निवेश माना जाता है, की कीमतों में इस साल 67 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और चांदी की कीमतों में 125 प्रतिशत से अधिक की जबरदस्त उछाल आई है।

वेस्टइंडीज पर न्यूजीलैंड की जीत से भारत को क्यों हुआ नुकसान? टेस्ट चैंपियनशिप का मौजूदा हाल

दुबई। माउंट माउंगानुई के बे ओवल में खेले गए सीरीज के तीसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 323 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही कीवियों ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज भी 2–0 से अपने नाम की। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने विश्व टेस्ट चौंपियनशिप तालिका में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। टीम दूसरे स्थान पर काबिज है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर बरकरार है। विश्व टेस्ट चौंपियनशिप का फाइनल 2027 में खेला जाना है। अंक तालिका में शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीमों के बीच फाइनल होगा।

न्यूजीलैंड की टीम दूसरे स्थान पर

न्यूजीलैंड ने बे ओवल में वेस्टइंडीज के सामने 462 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में विंडीज टीम 138 रन पर सिमट गई। सीरीज का पहला मुकाबला ड्रॉ रहा था। वहीं, वेलिंगटन में खेले गए दूसरे टेस्ट को न्यूजीलैंड ने नौ विकेट से अपने नाम किया था। वेस्टइंडीज पर जीत के बाद न्यूजीलैंड के तीन मैचों में दो जीत और एक ड्रॉ के साथ 28 अंक हैं। उसका अंक प्रतिशत 77.78 है। टीम दूसरे स्थान पर है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया का एशेज में शानदार प्रदर्शन जारी है। उसके छह टेस्ट में छह जीत के साथ 72 अंक हैं। टीम का अंक प्रतिशत 100 है। दक्षिण अफ्रीका ने भारत में दो टेस्ट जीते और चार मैचों के बाद तीन जीत और एक हार के साथ टीम का अंक प्रतिशत 75.00 है। वहीं, उसके अंक 36 हैं।

भारतीय टीम तालिका में छठे स्थान पर

श्रीलंका ने इस चक्र में अब तक दो टेस्ट में एक जीत और एक ड्रॉ के साथ 16 अंक अर्जित किए हैं। उसका अंक प्रतिशतक 66.67 है। पाकिस्तान दो टेस्ट में एक जीत और एक हार के साथ 12 अंक लिए बैठा है। उसका अंक प्रतिशत 50.00 है। वहीं, भारत इस चक्र में अब तक सबसे ज्यादा नौ टेस्ट खेल चुका है। उसने अभी तक चार टेस्ट जीते हैं और चार में हार मिली है। एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। 48.15 अंक प्रतिशत के साथ भारतीय टीम तालिका में छठे स्थान पर है। भारत के 52 अंक हैं। इंग्लैंड आठ टेस्ट में दो जीत और पांच हार के साथ सातवें स्थान पर है। उसके 26 अंक हैं और 27.08 अंक प्रतिशत हैं। बांग्लादेश 16.67 अंक प्रतिशत के साथ आठवें और वेस्टइंडीज 4.17 अंक प्रतिशत के साथ नौवें स्थान पर है।

अंक प्रतिशत कैसे निकाला जाता है?

विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (ॅज्ब्) की अंक तालिका पॉइंट्स परसेंटेज सिस्टम (च्ब्ज्) यानी अंक प्रतिशत के आधार पर तय होती है। इसमें जीत पर 12 अंक, टाई पर छह अंक, ड्रॉ पर चार अंक और हार पर कोई अंक नहीं मिलता, जबकि टीम की रैंकिंग (कुल हासिल अंक ÷ कुल दांव पर लगे अंक) 100 के आधार पर तय की जाती है, ताकि अलग–अलग सीरीज़ की लंबाई के बावजूद निष्पक्षता बनी रहे। इसके अलावा स्लो ओवर–रेट पर अंक काटे जाते हैं और रद्द मैचों को ड्रॉ माना जाता है, वहीं पिच या आउटफील्ड अनुपयुक्त होने पर मेजबान टीम पर भी जुर्माना लगाया जा सकता है।

भारत को अब कौन सी टेस्ट सीरीज खेलनी है?

भारत को अब साल 2026 में अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ उसके घर में दो टेस्ट मैच खेलने हैं, जो कि विश्व टेस्ट चौंपियनशिप की मौजूदा हालत को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण हैं। अब भारत को फाइनल में क्वालिफाई करने के लिए जीत ही एकमात्र विकल्प है। ड्रॉ या हार से फाइनल में पहुंचना नामुमकिन होगा। सभी टेस्ट में जीत के बावजूद भारत को अन्य टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। श्रीलंका के बाद भारत अगले साल अक्तूबर–नवंबर में न्यूजीलैंड का दौरा करेगा और वहां टीम को दो टेस्ट खेलने हैं। इसके बाद साल 2027 में भारत को जनवरी–फरवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने घर में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

भारत की टी20 विश्वकप टीम में क्यों और कैसे लौटे ईशान किशन ? रविचंद्रन अश्विन ने बताई वजह

नई दिल्ली। भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने आगामी टी20 विश्व कप के लिए ईशान किशन की भारतीय टीम में वापसी को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। अश्विन का मानना है कि यह चयन किसी सिफारिश या संयोग का नतीजा नहीं, बल्कि क्रिकेट की ओर से दिया गया एक इनाम है। उनके मुताबिक, ईशान किशन की वापसी का सबसे बड़ा कारण यही है कि उन्होंने क्रिकेट को वह सम्मान दिया, जिसका वह हकदार है। ईशान किशन को टीम में दूसरे विकेटकीपर–बल्लेबाज के रूप में शामिल किया गया है। यह वापसी उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के दम पर की है, जहां उन्होंने झारखंड को उसका पहला खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई और पूरे टूर्नामेंट के टॉप रन–स्कोरर रहे।

जिंदगी घूमकर वापस आती है

अपने यूट्यूब चौनल पर बात करते हुए अश्विन ने कहा, यह क्रिकेट की ओर से ईशान किशन को मिला एक तोहफा है। बाहर बैठे कई लोग इसे समझ सकते हैं और कुछ को यह चयन अनुचित भी लग सकता है। लेकिन जिंदगी घूमकर वापस आती है। ईशान पहले टीम में क्यों नहीं थे और अब कैसे लौटे, इसका सिर्फ एक ही कारण है। उन्होंने क्रिकेट को उसका सम्मान दिया। अश्विन का यह बयान सीधे तौर पर उस दौर की ओर इशारा करता है, जब ईशान किशन चयनकर्ताओं की प्राथमिकता से बाहर हो गए थे।

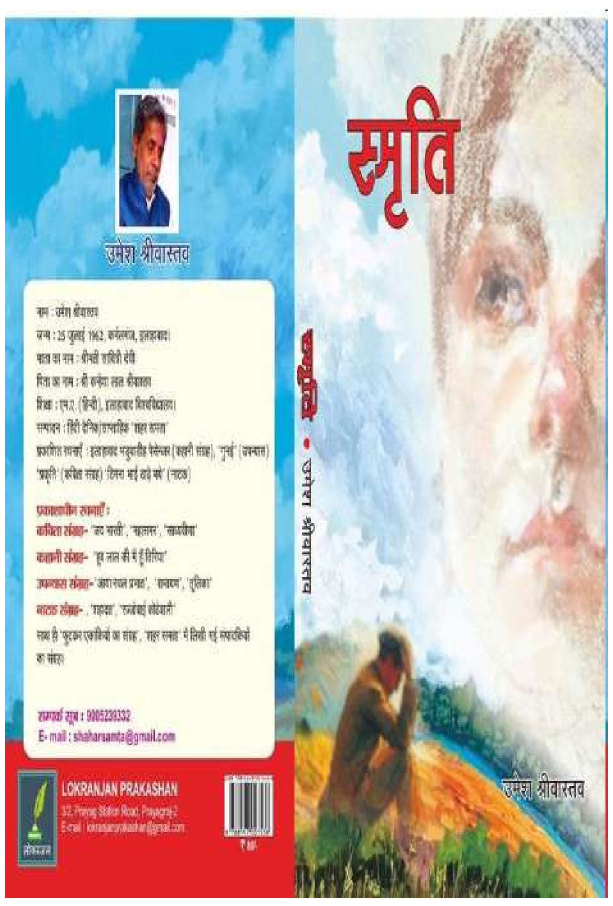

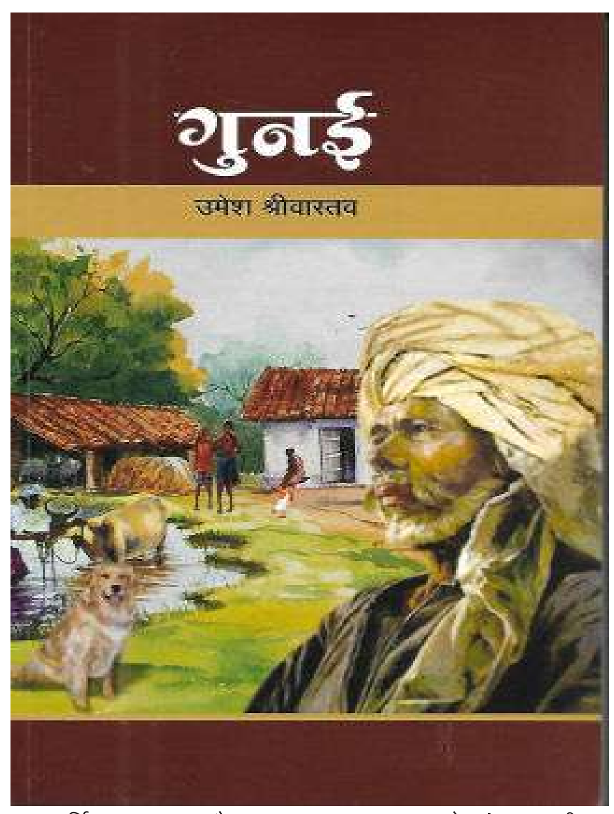

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

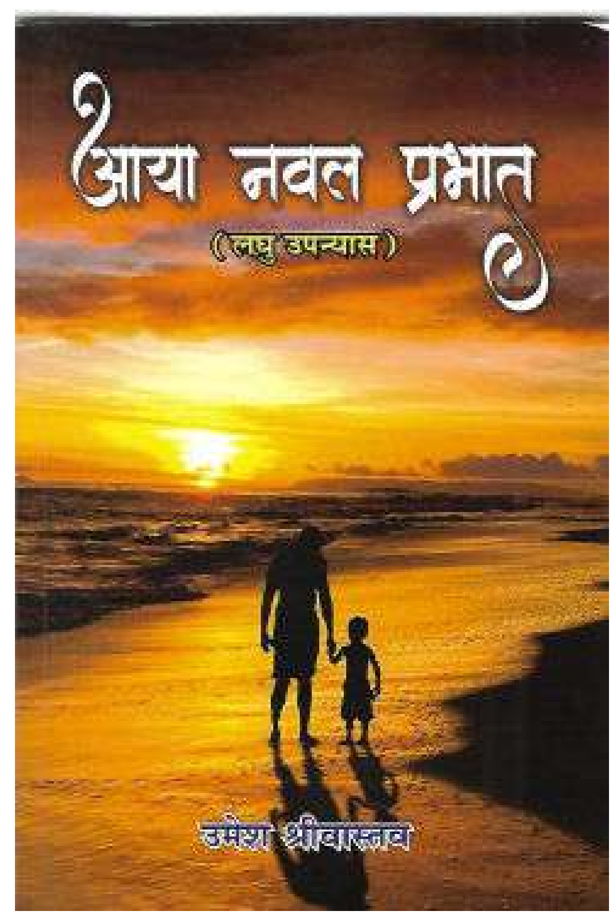

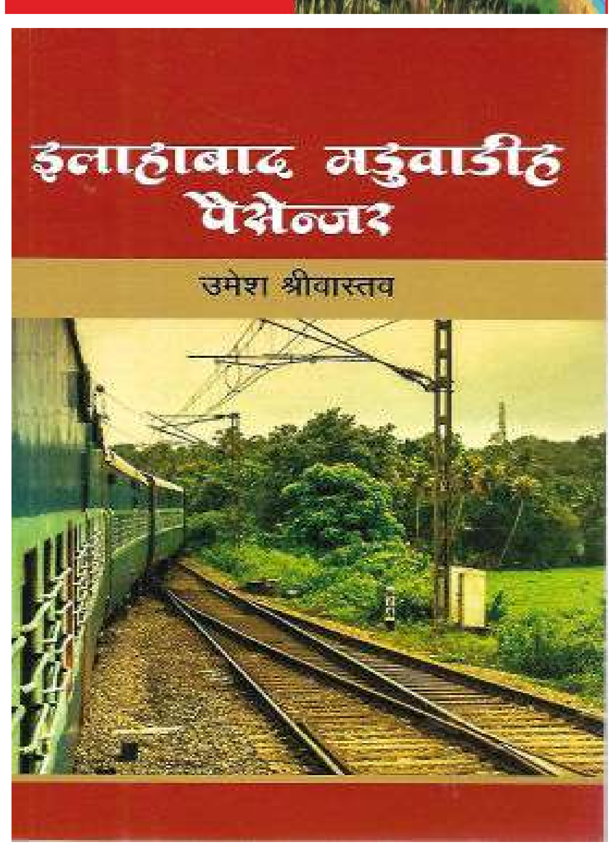

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

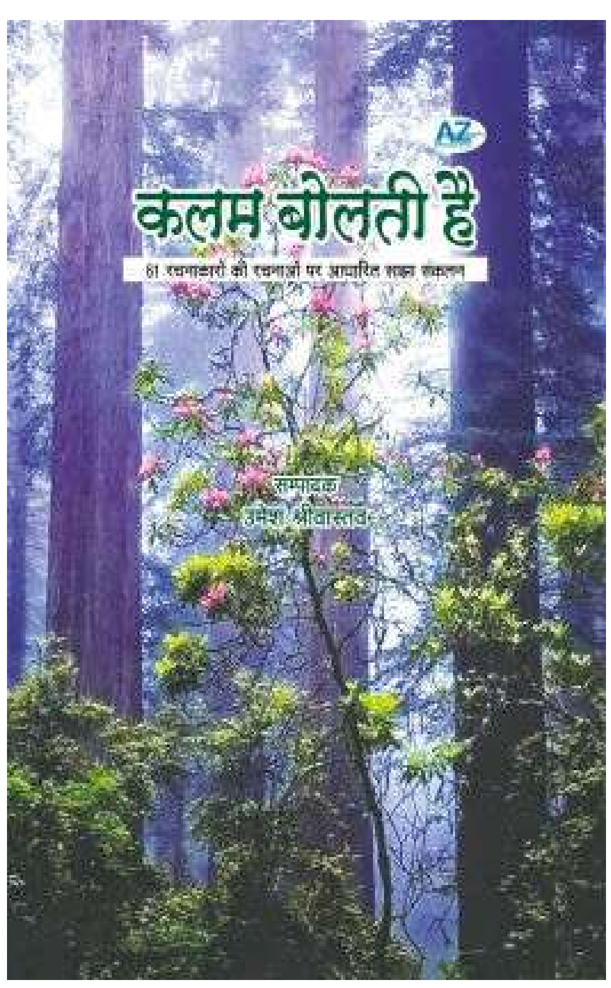

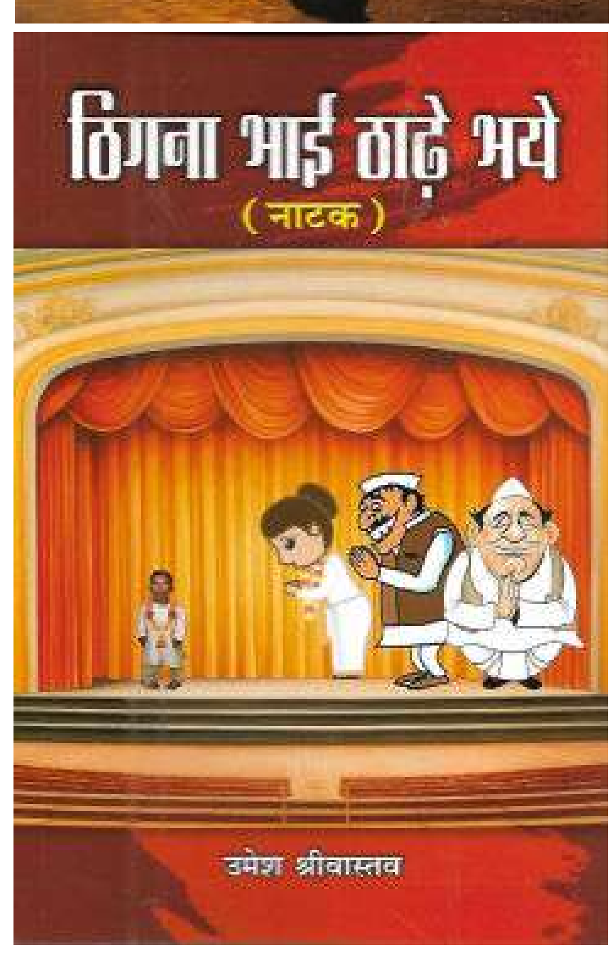

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

कार के नीचे बम लगाकर धमाका, रूसी जनरल की फिल्मी स्टाइल में हत्या

मॉस्को में एक कार बम विस्फोट में एक वरिष्ठ रूसी सैन्य अधिकारी की मौत हो गई। जांचकर्ताओं ने पुष्टि की है कि विस्फोट वाहन के नीचे लगाए गए विस्फोटक उपकरण के कारण हुआ था, जैसा कि आरटी ने रिपोर्ट किया है। रूस की जांच समिति के अनुसार, विस्फोट दिन में पहले शहर के दक्षिणी हिस्से में हुआ, जिससे इलाके में कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

शुरुआती मीडिया रिपोर्टों में कहा गया था कि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया था, लेकिन बाद में अधिकारियों ने मृतक की पहचान लेफ्टिनेंट जनरल फानिल सरवरोव के रूप में की, जो जनरल स्टाफ में ऑपरेशनल ट्रेनिंग के प्रमुख थे। जांचकर्ताओं ने बताया कि विस्फोटक उपकरण जानबूझकर कार के नीचे रखा गया था, जो एक लक्षित हमले का संकेत देता है। इस संदर्भ में रूसी अधिकारियों ने कहा कि जांच की एक संभावित दिशा यूक्रेनी खुफिया सेवाओं से जुड़ी हत्या हो सकती है, जैसा कि आरटी ने रिपोर्ट किया है। इस घटना ने रूस के भीतर पहले हुए लक्षित हमलों की ओर ध्यान आकर्षित किया है। यूक्रेनी अधिकारियों पर पहले भी अधिकारियों और सार्वजनिक हस्तियों की हत्या के लिए विस्फोटक उपकरणों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है। पिछले साल दिसंबर में एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में छिपाए गए बम से रूस के परमाणु, रासायनिक और जैविक रक्षा बलों के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरिलोव और उनके सहयोगी की मौत हो गई थी। जांचकर्ताओं ने इस हमले को यूक्रेनी साजिश बताया था, जैसा कि आरटी ने बताया है। इस पृष्ठभूमि में सरवरोव के सैन्य करियर के बारे में भी जानकारी सामने आई है। रूसी रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित जानकारी के अनुसार, वह एक पेशेवर अधिकारी थे, जिन्होंने 1990 के दशक के उत्तरार्ध और 2000 के दशक के आरंभिक वर्षों में दक्षिणी रूस में आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान युद्ध का अनुभव प्राप्त किया था।

पाकिस्तान में जांच चौकी पर हमले में दो पुलिसकर्मियों समेत तीन लोग घायल

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में अज्ञात सशस्त्र हमलावरों द्वारा रविवार देर रात एक पुलिस चौकी पर किए गए हमले में दो पुलिसकर्मियों सहित तीन लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। खैबर पख्तूनख्वा के हांगू जिले में सिटी पुलिस थाने की सीमा के भीतर स्थित काजी तालाब जांच चौकी पर सशस्त्र हमलावरों ने गोलीबारी की जिसमें तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी में घायल हुए लोगों में पुलिस कांस्टेबल अली रजा एवं साबिर तथा मस्जिद के इमाम फरमान शामिल हैं। घायल पुलिसकर्मियों और इमाम को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के तुरंत बाद पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस एवं सशस्त्र हमलावरों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई।

इंडोनेशिया में यात्री बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम 15 लोगों की मौत

इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा में एक यात्री बस के रविवार देर रात दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। खोज और बचाव एजेंसी के प्रमुख बुडियोनो ने बताया कि 34 लोगों को ले जा रही बस टोल रोड पर नियंत्रण खो बैठी और कंक्रीट के एक अवरोधक से टकराने के बाद पलट गई। उन्होंने बताया कि अंतर-प्रांतीय बस राजधानी जकार्ता से देश के प्राचीन शाही शहर योग्याकार्ता जा रही थी तभी यह हादसा हुआ।

पाकिस्तान में TTP पर कहर! खैबर पख्तूनख्वा में 9 ख्वारिज मारे, अफगानिस्तान को सीधी चेतावनी

पाकिस्तान में जिन आतंकियों को पनाह दी गयी थी अब वह उन्हीं के लिए घातक बनें हुए हैं। पाकिस्तान में आंतरिक कलह मची हुई है। इसी बीच पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों के दो अलग-अलग अभियानों में नौ आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा ने यह जानकारी दी। 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) के अनुसार, ''19 दिसंबर 2025 को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में 'फितना अल-ख्वारिज' से जुड़े नौ ख्वारिज मारे गए।'' पाकिस्तान 'फितना-अल-ख्वारिज' शब्द का इस्तेमाल प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकवादियों के लिए करता है। आईएसपीआर ने बताया कि खुफिया सूचना पर आधारित

पहला अभियान प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में चलाया गया जिसमें चार आतंकवादी मारे गए। उसने बताया कि दूसरा अभियान बन्नू जिले में चलाया गया जहां सुरक्षा बलों ने पांच और आतंकवादियों को मार गिराया। इसके अलावा इससे मात्र दो दिन पहले उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में एक मिलिट्री बेस पर आत्मघाती हमला करने के दौरान चार पाकिस्तानी सैनिक और पांच आतंकवादी मारे गए।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

जंग रोकने के लिए अमेरिका ने बढ़ाया कदम, यूक्रेन और यूरोपीय देशों के साथ हुई निर्णायक वार्ता

व्लादिमीर पुतिन के टॉप विदेश नीति अधिकारी ने डोनाल्ड ट्रंप के सपोर्ट वाले शांति प्लान में हुए नए बदलावों को खारिज कर दिया है दू हालांकि उन्होंने यह भी माना कि उन्होंने असल में उन्हें पढ़ा नहीं है। यूरी उशाकोव, जिन्होंने प्लान के ओरिजिनल वर्जन को बनाने में अहम भूमिका निभाई थी, जिसे बड़े पैमाने पर रूस के पक्ष में होने के कारण खारिज कर दिया गया था, उन्होंने अमेरिका, मॉस्को और कीव के बीच तीन-तरफ़ा समिट की संभावना को भी कम बताया। यूरी उशाकोव ने कहा, क्षुझे यकीन है कि यूरोपियन और यूक्रेनियन लोगों ने जो प्रस्ताव दिए हैं या देने की कोशिश कर रहे हैं, वे निश्चित रूप से डॉक्यूमेंट को बेहतर नहीं बनाते हैं और लंबे समय तक शांति हासिल करने की संभावना को भी बेहतर नहीं बनाते हैं। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के एक दूत ने रविवार को कहा कि उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए फ्लोरिडा में यूक्रेनी और यूरोपीय प्रतिनिधियों के साथ ''उपयोगी और सार्थक'' बातचीत की। व्हाइट हाउस के दूत स्टीव विटकॉफ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इन वार्ताओं का उद्देश्य यूक्रेन, अमेरिका और यूरोप के बीच एक साझा रणनीतिक दृष्टिकोण पर सहमति बनाना है। उन्होंने कहा, ''हमारी साझा प्राथमिकता हत्याएं रोकना, सुरक्षा प्रदान करना और यूक्रेन के पुनर्निर्माण, स्थिरता एवं दीर्घकालिक समृद्धि के लिए परिस्थितियां तैयार करना है।

शांति केवल संघर्षविराम नहीं, बल्कि एक स्थिर भविष्य की गरिमापूर्ण नींव होनी चाहिए।'' यह बातचीत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन के शांति स्थापित करने के उद्देश्य से कई महीनों से जारी प्रयासों का हिस्सा है। हालांकि, इस कूटनीतिक पहल को मॉस्को और कीव की परस्पर विरोधी मांगों के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल में यूक्रेन को लेकर अपनी अधिकतम मांगों पर अड़े रहने के संकेत दिए हैं और भारी नुकसान के बावजूद रूसी सेना युद्धक्षेत्र में आगे बढ़ रही है। इसी बीच रूस के साथ भी बातचीत जारी है। रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास 'क्रेमलिन' के एक दूत किरिल दिमित्रिएव ने शनिवार को कहा कि फ्लोरिडा में बातचीत ''रचनात्मक रूप से आगे बढ़ रही है।'' यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को टेलीग्राम पर लिखा कि कूटनीतिक प्रयास ''तेजी से आगे बढ़ रहे हैं'' और फ्लोरिडा में उनकी टीम अमेरिकी पक्ष के साथ काम कर रही है। बहरहाल, क्रेमलिन ने यूक्रेन, रूस और अमेरिका के बीच त्रिपक्षीय वार्ता की संभावना से रविवार को इनकार किया।

यूक्रेनी सेना सुमी में रूसी घुसपैठ का मुकाबला कर रही है

इसके अलावा यूक्रेनी सेना ने कहा कि वह सुमी क्षेत्र में रूसी घुसपैठ की कोशिश का मुकाबला कर रही है, जब मॉस्को ने दावा किया कि उसने एक सीमावर्ती गांव से 50 लोगों को जबरन हटा दिया है। यूक्रेन के जॉइंट टास्कफोर्स ने कहा, ग्राबोव्स्के गांव में फिलहाल लड़ाई जारी है, और कहा कि उनके सैनिक कब्जा करने वालों को रूसी क्षेत्र में वापस धकेलने की कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेनी मीडिया ने कल सेना के हवाले से बताया कि रूसी सेना ने उत्तर-पूर्वी सुमी क्षेत्र में यूक्रेन के साथ सीमा पार की और एक यूक्रेनी सीमावर्ती गांव के लगभग 50 निवासियों को रूस ले गए। मीडिया ने बताया कि गांव से पकड़े गए ज़्यादातर स्थानीय निवासी बुज़ुर्ग लोग थे (यूक्रेन के पब्लिक ब्रॉडकास्टर सस्पिलने और यूक्रेनस्का प्रवदा न्यूज़ आउटलेट ने कहा कि रूसी सेना शनिवार रात ह्राबोव्स्के गांव के इलाके में यूक्रेनी क्षेत्र में घुस गई थी।

असीम मुनीर के अंदर का मौलाना बाहर आकर बोला-

भारत-पाक संघर्ष के दौरान हमें अल्लाह की विशेष मदद मिली और हमने उसे महसूस किया

पाकिस्तान के रक्षा प्रमुख और सेना अध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर के अंदर का मौलाना सामने आ गया है। हम आपको बता दें कि मुनीर ने भारत के साथ मई महीने में हुए सैन्य टकराव को लेकर एक चौंकाने वाला बयान दिया है। इस्लामाबाद में आयोजित नेशनल उलेमा कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि भारत द्वारा किए गए सैन्य हमलों के बाद पाकिस्तान को अल्लाह की विशेष मदद मिली और पाकिस्तानी सेना ने उसे महसूस किया। उनके अनुसार यह मदद चार दिनों तक चले संघर्ष के दौरान स्पष्ट रूप से नजर आई। अपने भाषण में असीम मुनीर ने भारत के साथ संघर्ष को केवल सैन्य घटना के रूप में नहीं बल्कि धार्मिक संदर्भ में प्रस्तुत किया। उन्होंने कुरान की आयतें पढ़ीं और कहा कि पाकिस्तानी सेना को संघर्ष के दौरान ईश्वरीय हस्तक्षेप का अनुभव हुआ। उनके इस बयान को पाकिस्तान के भीतर सेना की छवि मजबूत करने और धार्मिक भावनाओं को उभारने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। इसी भाषण में असीम मुनीर ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को कड़ी चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में होने वाली आतंकवादी घुसपैठ में बड़ी संख्या अफगान नागरिकों की

है और तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान के लड़ाकों में लगभग सत्तर प्रतिशत अफगान हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अफगानिस्तान पाकिस्तान के बच्चों का खून बहाने की जिम्मेदारी नहीं लेगा। पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने तालिबान सरकार से साफ शब्दों में कहा कि उसे पाकिस्तान और टीटीपी में से किसी एक को चुनना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि किसी इस्लामी राष्ट्र में जिहाद का एलान करने का अधिकार केवल देश को होता है, किसी व्यक्ति या संगठन को नहीं। बिना देश की अनुमति के जिहाद की बात करना अवैध और अवांछनीय है। असीम मुनीर ने पाकिस्तान की स्थापना की तुलना पैगंबर द्वारा स्थापित प्रारंभिक इस्लामी राज्य से भी की और कहा कि दुनिया के सत्तावन इस्लामी देशों में पाकिस्तान को हरमैन शरीफैन की रक्षा का सम्मान मिला है। हम आपको बता दें कि मुनीर के इस पूरे भाषण में धार्मिक प्रतीकों और सैन्य शक्ति को एक साथ जोड़ने की स्पष्ट कोशिश दिखाई दी। देखा जाये तो असीम मुनीर का बयान पाकिस्तान की वर्तमान रणनीतिक उलझनों और आंतरिक असुरक्षाओं का आईना है। जब कोई सैन्य प्रमुख आधुनिक युद्ध में हार या दबाव को ईश्वरीय हस्तक्षेप की भाषा में समझाने लगे, तो यह उसकी कमजोरी का संकेत होता है। भारत द्वारा किए गए सटीक हमलों ने यह साफ कर दिया कि आतंकवाद के ढांचे अब सुरक्षित नहीं हैं और पारंपरिक बयानबाजी से जमीनी हकीकत नहीं बदली जा सकती। सामरिक दृष्टि से आपरेशन सिंदूर ने दक्षिण एशिया की सुरक्षा तस्वीर को नया मोड़ दिया है। भारत ने स्पष्ट कर दिया कि वह आतंकी हमलों का जवाब सीमा के उस पार जाकर देने में संकोच नहीं करेगा। इससे पाकिस्तान की वह रणनीति कमजोर पड़ी है जिसमें वह परमाणु धमकी और अंतरराष्ट्रीय सहानुभूति के भरोसे आतंकवाद को ढाल की तरह इस्तेमाल करता रहा है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख का अफगानिस्तान को दिया गया अल्टीमेटम भी उतना ही खोखला दिखता है। अफगान तालिबान और पाकिस्तान के रिश्ते पहले ही अविश्वास से भरे हैं। तालिबान के सत्ता में आने के बाद टीटीपी को खुली छूट मिली है, जो पाकिस्तान के लिए गंभीर सिरदर्द बन चुका है। सीमा पार से होने वाले हमले पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा को लगातार खोखला कर रहे हैं, लेकिन इस सच्चाई को स्वीकार करने की बजाय सारा दोष काबुल पर डाल देना आसान रास्ता है। अफगानिस्तान की मौजूदा स्थिति भी किसी से छिपी नहीं है। वहां की सरकार अंतरराष्ट्रीय मान्यता के लिए संघर्ष कर रही है और आर्थिक संकट से जूझ रही है। ऐसे में पाकिस्तान की धमकी भरी भाषा हालात को सुधारने की बजाय और बिगाड़ सकती है। यदि पाकिस्तान सच में सीमा पार आतंकवाद रोकना चाहता है तो उसे दोहरे खेल से बाहर आना होगा, जिसमें वह कुछ संगठनों को अच्छा और कुछ को बुरा बताता है। असीम मुनीर का यह कहना कि जिहाद का अधिकार केवल देश को है, अपने आप में एक विरोधाभास है।

जेल से इमरान खान की विरोध प्रदर्शन की अपील, रावलपिंडी में सुरक्षा सख्त, पाकिस्तान में तनाव का माहौल

रावलपिंडी में भारी सुरक्षा तैनात की गई, क्योंकि अधिकारियों को संभावित विरोध प्रदर्शनों की आशंका थी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने तोशाखाना 2 भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने की खबरों के बाद अपने समर्थकों से सड़कों पर उतरने की अपील की थी। 'न्यूज़ एजेंसी च्ज्प् की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि खान की पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदर्शनों की आशंका के

बीच कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 1,300 से ज़्यादा पुलिस अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों को ड्यूटी पर लगाया गया था।

जेल से इमरान खान की विरोध प्रदर्शन की अपील

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने भ्रष्टाचार के एक मामले में उन्हें और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 17 साल कैद की सजा सुनाए जाने के बाद अपने समर्थकों से देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि इस तैनाती में दो पुलिस अधीक्षक, सात पुलिस उपाधीक्षक, 29 निरीक्षक और थाना अधिकारी, 92 उच्च अधीनस्थ और 340 कांस्टेबल शामिल हैं।

पाकिस्तान में भारी बवाल की आशंका

इसके अतिरिक्त, एलीट फोर्स कमांडो के सात सेक्शन, रैपिड इमरजेंसी एंड सिक्योरिटी ऑपरेशंस के 22 कर्मी और एंटी-रायट्स मैनेजमेंट विंग के 400 कर्मियों को तैनात किया गया है। 'तोशाखाना 2' भ्रष्टाचार मामले में खान और उनकी पत्नी बुशरा को शनिवार को एक अदालत ने 17-17 साल जेल की सजा सुनाई। तिहत्तर वर्षीय खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। अप्रैल 2022 में सत्ता से बाहर होने के बाद से उनके खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए हैं।

रावलपिंडी छावनी में तब्दील

'तोशाखाना 2' मामले में दंपति पर 2021 में सऊदी सरकार से मिले राजकीय उपहारों के संबंध में धोखाधड़ी करने का आरोप है। खान के 'एक्स' पर आधी रात को पोस्ट किए गए एक बयान के अनुसार, ''सैन्य शैली में आए मुकदमे के फैसले'' के बाद अडियाला जेल में अपने वकीलों के साथ बातचीत में, खान ने अपने समर्थकों से फैसले के बाद विरोध प्रदर्शन करने का आग्रह किया। यह पता नहीं चल पाया है कि जेल में रहने की वजह से खान के सोशल मीडिया हैंडल तक पहुंच न होने के चलते उनकी बातचीत को उनके निजी खाते पर किसने पोस्ट किया। उन्होंने कहा, ''मैंने (खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री) सोहेल अफरीदी को सड़क पर आंदोलन की तैयारी करने का संदेश भेजा है। पूरे देश को अपने अधिकारों के लिए उठ खड़ा होना होगा।'' खान ने कहा, ''संघर्ष ही इबादत है, और मैं पाकिस्तान की सच्ची आजादी के लिए शहादत को गले लगाने के लिए भी तैयार हूं।'' उन्होंने कहा कि नवीनतम फैसला उनके लिए कोई हैरत की बात नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री ने अपनी कानूनी टीम से इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करने का अनुरोध किया। खान ने कहा, ''पिछले तीन वर्षों के निराधार निर्णयों और सजाओं की तरह, तोशाखाना-दो का फैसला भी मेरे लिए कोई नई बात नहीं है।

बांग्लादेश के बिगड़ते हालात को देखकर शेख हसीना ने मुहम्मद यूनुस पर जमकर निकाली भड़ास

बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर खून और खौफ के साये में है। छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या ने देश की अंतरिम सत्ता व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस बीच, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस हत्या को कानून व्यवस्था के पूर्ण पतन का प्रतीक बताते हुए अंतरिम सरकार और उसके मुखिया मुहम्मद यूनुस पर तीखा हमला बोला है। शेख हसीना ने समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा कि यह हत्या कोई अकेली घटना नहीं है, बल्कि उस अराजकता का परिणाम है जो उनकी सरकार हटने के बाद तेजी से बढ़ रही है। उनके अनुसार हिंसा अब सामान्य व्यवहार बन चुकी है और अंतरिम प्रशासन या तो इसे नकार रहा है या रोकने में पूरी तरह विफल है। उन्होंने चेताया कि इस स्थिति से न केवल बांग्लादेश अंदर से अस्थिर हो रहा है, बल्कि पड़ोसी देशों के साथ संबंधों पर भी बुरा असर पड़ रहा है, विशेष रूप से भारत के साथ। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों का मुद्दा भी जोरदार ढंग से उठाया। मयमनसिंह जिले में 27 वर्षीय हिंदू युवक दीपु चंद्र दास की भीड़ द्वारा पीट-पीट कर हत्या और फिर शव जलाए जाने की घटना को उन्होंने अंतरिम सरकार की नाकामी बताया। हसीना के अनुसार ऐसे कृत्य यह दिखाते हैं कि राज्य अपने नागरिकों की रक्षा करने में अक्षम हो चुका है। हसीना ने आरोप लगाया कि मौजूदा सत्ता संरचना में उग्रवादी तत्व खुलेआम हावी हो गए हैं। उनके अनुसार भारत विरोधी भावनाएं जानबूझ कर भड़काई जा रही हैं, राजनयिक ठिकानों और मीडिया संस्थानों पर हमले हो रहे हैं और दोषियों को दंड की बजाय संरक्षण मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरिम सरकार ने सजायाफ्ता आतंकियों को रिहा किया है और कट्टरपंथी समूहों को सार्वजनिक जीवन में स्थान दिया है, जो बांग्लादेश की धर्मनिरपेक्ष परंपरा के लिए गंभीर खतरा है। विदेश नीति पर भी शेख हसीना ने सवाल उठाए। उनका कहना है कि पाकिस्तान के साथ जल्दबाजी में नजदीकी बढ़ाना और पुराने सहयोगियों को नाराज करना उस सरकार के लिए अनुचित है, जिसे जनता का जनादेश ही प्राप्त नहीं है। उन्होंने दो टूक कहा कि अंतरिम प्रशासन को ऐसी दीर्घकालिक रणनीतिक दिशा तय करने का कोई अधिकार नहीं है। देखा जाये तो अंतरिम सरकार की सबसे बड़ी विफलता यह है कि उसने सत्ता संभालते ही राज्य की बुनियादी जिम्मेदारी को त्याग दिया। कानून व्यवस्था का मतलब केवल पुलिस तैनात करना नहीं होता, बल्कि यह स्पष्ट संदेश देना होता है कि हिंसा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। आज बांग्लादेश में यह संदेश गायब है। नतीजा यह है कि बंदूकधारी, भीड़ और कट्टरपंथी खुद को सत्ता का असली मालिक समझने लगे हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

एक-एक कर कौन बांग्लादेश के छात्र नेताओं को ठोक रहा है, हादी के बाद अब सिकंदर के सिर पर मारी गोली

छात्र नेता उस्मान हादी की मौत के कुछ दिनों बाद, सोमवार को बांग्लादेश में एक अन्य नेता को गोली मार दी गई। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ित की पहचान मोतालेब शिकदर के रूप में हुई है, जिसे खुलना में हमलावरों ने सिर पर गोली मारकर हत्या कर दी थी। अखबार ने सोनाडांगा मॉडल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी (जांच) अनिमेष मंडल के हवाले से बताया उपद्रवियों ने सुबह करीब 11रु45 बजे उसके सिर पर निशाना साधकर गोली चलाई और उसे गंभीर हालत में खुलना मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि मोतलेब खतरे से बाहर हैं और गोली उनके कान के एक तरफ से अंदर घुसी, त्वचा को भेदते हुए दूसरी तरफ से निकल गई।

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पोटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।